

नया नियम इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 25: 1 कुरिन्थियों, भाग I

टेड हिल्डेब्रांट [गॉर्डन कॉलेज]

परिचय [00:00-

यह डॉ. टी. एड. हिल्डेब्रांट द्वारा न्यू टेस्टामेंट इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र संख्या 25 है। प्रथम कुरिन्थियों, भाग एक।

चलिए कुरिन्थियों की पुस्तक में कूदते हैं। यह एक ऐसी पुस्तक है जिसे मैं डर और कांप के साथ पढ़ता हूँ। इस पुस्तक में बहुत सी समस्याएँ हैं जो नए नियम में हैं, जो कुरिन्थियों की इस पुस्तक में हैं। इसलिए हमेशा की तरह, हम वास्तव में समस्याओं से बचने की कोशिश नहीं करते हैं। हम उनके बारे में जानने की कोशिश करते हैं। इसलिए हम इनमें से कुछ चीज़ों के बारे में बात करेंगे। कुछ चीज़ें बहुत पेचीदा हैं और जैसा कि मैंने इन चीज़ों पर चर्चा करने के तरीके पर विचार किया, उनमें से कुछ बहुत पेचीदा हैं और उनमें से कुछ शायद आपको आपत्तिजनक लगेंगी। लेकिन हम यहाँ परमेश्वर के वचन को सिखाते हैं क्योंकि हम इसे परमेश्वर के वचन के रूप में लेते हैं। मुझे पता है कि यह कई मायनों में वास्तव में प्रति-सांस्कृतिक है, लेकिन हम इसे इसी तरह देखते हैं।

तो 1 कुरिन्थियों, चलो बस एक मानचित्र के साथ शुरू करते हैं ताकि यह पता चल सके कि कुरिन्थ कहाँ है। तो मेरा मानना है कि यह प्रेरित पौलुस की तीसरी मिशनरी यात्रा है या यह वास्तव में प्रेरित पौलुस की दूसरी मिशनरी यात्रा है। यहाँ कुरिन्थ है और आप यहाँ इसका स्थान देख सकते हैं। इसे यहाँ पेलोपोन्नीज़ कहा जाता है। इसे पेलोपोन्नीज़ कहा जाता है और स्पार्टा यहाँ नीचे है। एथेंस यहाँ है। ऐसा होता है कि यहाँ इटली से नावें आती थीं और वे इस कुरिन्थियन सागर क्षेत्र में जाती थीं। लेकिन फिर वे इस भूमि पुल को पार कर जाती थीं। यह लगभग चार से साढ़े चार मील चौड़ा इस्थमस है। तो यह क्षेत्र, यहाँ लगभग साढ़े चार मील चौड़ा है। वे या तो, अगर यह एक छोटी नाव थी, तो वे पूरी नाव को ऊपर खींच कर इस्थमस के ऊपर ले जाते थे। अगर यह एक बड़ी नाव होती, तो वे वास्तव में नाव को एक तरफ से उतार देते, और इसे गाड़ियों पर साढ़े चार मील तक ले

जाते और दूसरी तरफ से फिर से लोड करते। फिर जब यह यहाँ पहुँचती है, तो यह इफिसस तक जाती है। यह एजियन सागर को पार करती है। तो यह यहाँ एक बड़ी बात है। व्यापार और वाणिज्य ताकि आपको यहाँ 200 मील की दूरी तय न करनी पड़े। यह एक शॉर्टकट की तरह है। तो कोरिंथ ठीक उसी शॉर्टकट पर स्थित होने जा रहा है और यह प्रभावित करने वाला है कि वे कौन हैं।

यह एक तरह से कोरिंथ की खाड़ी का एक उदाहरण है। यहाँ आप देख सकते हैं कि कोरिंथ वास्तव में, कोरिंथ एक टीले पर है। यह वास्तव में यहाँ एक पहाड़ी पर है। यह यहाँ दो शहरों को देखता है। एक तो जब वे इस तरफ नावों को लाते हैं, तो वे यहाँ सामान उतारते हैं। वे सेंच्रिया से साढ़े चार मील की दूरी तय करके जाते हैं और सेंच्रिया से वे यहाँ से जहाज़ लेकर निकलते हैं। तो कोरिंथ इन दो शहरों को देखता है और वे अपने करों का भुगतान करते हैं और जो सामान उन्हें मिलता है उसे ले जाते हैं।

यहाँ एथेंस है। तो आप एथेंस को पार्थेनन और उस सब के साथ देख सकते हैं। यहाँ स्पार्टा है। अब आप इस पेलोपोन्नीज़ क्षेत्र पर देख सकते हैं, यह एक बहुत ही पहाड़ी क्षेत्र है। लेकिन यहाँ कोरिंथ है। मूल रूप से एथेंस और स्पार्टा के बीच जाने वाला कोई भी ट्रैफ़िक, यहाँ आने वाली कोई भी यात्रा। यहाँ माउंट ओलिंपस है। अगर आपने कभी माउंट ओलिंपस के बारे में सुना है। तो यहाँ माउंट ओलिंपस है, और आप भूगोल के दृष्टिकोण से देख सकते हैं।

यहाँ मुद्दा यह होगा कि, बस स्थान को देखें। स्थान क्या प्रभावित करते हैं? मैं नैतिकता को कैसे कहूँ? क्या स्थान नैतिकता को प्रभावित करते हैं? क्या स्थान आपको प्रभावित करते हैं और वास्तव में एक व्यक्ति के रूप में आकार देते हैं? और मुझे बस एक पल के लिए इस पर विचार करने दें। मेरे बच्चे इंडियाना में बड़े हुए। वे यहाँ बोस्टन क्षेत्र में चले गए। क्या वह एक बड़ी दर्दनाक घटना थी? क्या इंडियाना में यह मैसाचुसेट्स की तुलना में बहुत अलग है? मैं बस आपको बताना चाहता हूँ, यह बहुत अलग है। मेरे बच्चे, जब वे इंडियाना में थे, तो बच्चे सुबह आठ बजे बाहर जाते थे। वे अपनी साइकिल चलाते थे, वे जंगल में खेलते थे, और फिर शाम को लगभग पाँच बजे, हम उन्हें देखते थे, वे रात के खाने के लिए घर आते थे, उम्मीद है। वे हर समय खेलते थे, जंगल में हर जगह और वे नाव बनाते थे और झील पर जाते थे वगैरह। हम यहाँ आते हैं और यहाँ हम देखते हैं कि माता-पिता वास्तव में बच्चों के साथ बस स्टॉप पर आते हैं। ऐसा लगता है कि उनके माता-पिता

अपने बच्चों की यहाँ बहुत कड़ी निगरानी कर रहे हैं। इसलिए हम उन्हें जाने देते हैं। तो यह देश के विभिन्न भागों में बहुत अलग क्षेत्र था। वैसे, इस क्षेत्र में भी, क्या जॉर्जटाउन, कोई जॉर्जटाउन जाता है? जॉर्जटाउन हाई स्कूल। क्या यह ट्राइटन हाई स्कूल से बहुत अलग है, न्यूबरीपोर्ट से बिल्कुल अलग है, इप्सविच में नीचे की तुलना में। क्या यह मैस्कोनोमिक में हैमिल्टन क्षेत्र से बहुत अलग है। इसलिए प्रत्येक स्कूल का अपना एक अलग चरित्र होता है और यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप स्कूल के साथ कैसे जुड़ते हैं।

तो मैं बस यह कहना चाह रहा हूँ कि भूगोल चीज़ों को प्रभावित करता है। न्यूयॉर्क शहर या किसी खास तरह के लोग, कैलिफ़ोर्निया के लोग, खैर वैसे भी। तो वे बस, देश के अलग-अलग क्षेत्र हैं जो सामान्य चीज़ें बनाते हैं।

अब आप स्टीरियोटाइप और इस तरह की चीज़ें नहीं कर सकते हैं लेकिन कोरिंथ शहर, क्या स्थान का वहां के चर्च पर प्रभाव पड़ता है? क्या स्थान का चर्च पर प्रभाव पड़ता है? मैं सुझाव देना चाहता हूँ कि हां, यह पड़ता है। यह नाविकों का शहर होने जा रहा है। वे लाएंगे, नावें आएंगी, वे सामान ले जाएंगे और वहां अभी भी बहुत सारे नाविक होंगे। वे नाविक हैं। नाविकों और इस सारे व्यापार से आपको किस तरह की चीज़ें मिलती हैं? क्या वहां बहुत सारी संपत्ति होगी? तो वहां बहुत सारी संपत्ति होगी। वहां बहुत सारे कैमरे होंगे, वहां बहुत सारे नाविक होंगे और इसका चर्च पर प्रभाव पड़ेगा। चर्च कई बार संस्कृति का प्रतिबिंब होता है। एक चर्च कई बार संस्कृति का प्रतिबिंब होता है। मैं बस इतना ही कहना चाहता हूँ। मेरा एक दोस्त था, दरअसल, मैंने उसे तब पढ़ाया था जब मैंने पहली बार पढ़ाना शुरू किया था और वह टेनेसी, टेनेसी में रहता है। मुझे यह सही कहना है। ठीक है। तो वह 10 पर बार के नीचे है, एक स्लेज और वहाँ नीचे। उसने शुरू किया, यह कोई मज़ाक नहीं है, उसने शुरू किया क्योंकि सभी लोग हार्ले और सामान चलाते हैं। उसने एक बाइकर चर्च शुरू किया। और इसलिए मूल रूप से आपको इस चर्च और सामान में जाने के लिए एक हार्ले जैसी गाड़ी चाहिए। और, लेकिन यह पूर्वी टेनेसी और ब्रिस्टल क्षेत्र के लिए उपयुक्त है। हाँ, वहाँ सभी बाइकर हैं। उसके चर्च में लगभग 2000 लोग हैं और वे ये बड़ी बाइकर रैलियाँ करते हैं और यह सब उसका चर्च है। ठीक है। और इसलिए, आप जानते हैं, यह उसमें फिट बैठता है।

तो चर्च का स्थान, इतिहास और इतिहास चर्च को कैसे प्रभावित करता है। तो बस थोड़ा सा

कोरिंथ के इतिहास के बारे में। होमर के दिनों में यह बहुत समृद्ध था क्योंकि सारा व्यापार यहीं से होता था, यह एक बहुत समृद्ध शहर होने जा रहा था। सिकंदर के पिता, मैसेडोन के फिलिप ने इस कोरिंथ को अपनी नई हेलेनिक लीग की सीट बनाया। तो, दूसरे शब्दों में, सिकंदर के पिता फिलिप मैसेडोनिया से आए। मैसेडोन के फिलिप ने आकर मूल रूप से जो किया वह यह था कि उन्होंने कोरिंथ को हेलेनिक लीग की सीट बनाया। लेकिन 146 ईसा पूर्व के आसपास क्या हुआ, मैं नहीं चाहता कि आप उस तारीख को याद रखें, लेकिन लगभग 146 ईसा पूर्व, यूनानियों ने रोमनों के साथ इसमें शामिल हो गए। वैसे, जब वे रोमनों से लड़ते हैं, तो कौन हारता है? वे हारते हैं। तो 146 ईसा पूर्व, रोमन आए और शहर को नष्ट कर दिया। शहर को रोमनों ने नष्ट कर दिया। अब, एक बार शहर को सौ साल के लिए बंजर छोड़ दिया गया था, सौ साल, लेकिन क्या शहरों में अब भी ऐसी प्रवृत्ति है कि आप उन्हें नष्ट कर सकते हैं। लेकिन क्या कोई कारण था कि वह शहर पहले से ही वहां था? हाँ।

तो, इसी कारण से, सौ साल बाद, रोमन वापस वहाँ गए और वहाँ एक आदमी था, मुझे लगता है कि उसका नाम जूलियस था, मुझे उसका अंतिम नाम याद नहीं है। लेकिन, मुझे लगता है कि वह सीज़र था। वैसे भी, 46 ईसा पूर्व में जूलियस सीज़र ने सौ साल बाद शहर का पुनर्निर्माण किया और रोमन सैनिकों की तरह इसे आबाद किया। तो 46 ईसा पूर्व में शहर का पुनर्निर्माण और पुनः स्थापना की गई। तो आपको कोरिंथ के साथ पहले और बाद की यह चीज़ मिलती है। रोमन सैनिक वहाँ बसे हुए थे और अनुभवी सैनिक थे।

अब, क्या वाणिज्य चर्च को प्रभावित करता है? क्या वाणिज्य चर्च को प्रभावित करता है? क्या एक अमीर चर्च और जो एक अमीर इलाके में है और एक गरीब चर्च जो एक गरीब इलाके में है, के बीच कोई अंतर है? क्या आप शहर के अंदरूनी इलाकों के चर्चों में गए हैं? वे अलग-अलग चीज़ों के साथ संघर्ष करते हैं, जबकि उपनगरों में स्थित चर्चों में आप इन क्रिस्टल कैथेड्रल में जाते हैं। इसलिए चर्च में वाणिज्य की भूमिका है और कोरिंथ एक बहुत अमीर चर्च बनने जा रहा है।

अब, अगर आपके पास जहाज़ आ रहे हैं, तो आप क्या उम्मीद करेंगे, वे जहाज़ों को उतारते हैं, उसे ज़मीन पर 4.5 मील तक खींचते हैं और दूसरे जहाज़ पर रखकर बाहर ले जाते हैं। आप किसी से उस 4.5 मील के साथ क्या करने की उम्मीद करेंगे? तो किसी ने एक तरफ़ से दूसरी तरफ़

नहर बनाई और निश्चित रूप से, बहुत पहले, लोगों ने 600 ईसा पूर्व तक नहर बनाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, हमें यहाँ नहर बनानी है ताकि नावें सीधे तैर सकें। और हमें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। समस्या यह है, और मैं कोरिंथियन नहर पर गया हूँ, जब आप इस चीज़ के किनारे आते हैं और नीचे देखते हैं, तो यह 300 फ़ीट सीधे पानी में होती है। दूसरे शब्दों में, और यह पूरी तरह से ठोस चट्टान है। इसलिए उन्हें प्राचीन समय में इसे विस्फोट से नष्ट करना पड़ा। उनके पास इसे बनाने में सक्षम होने के लिए तकनीक नहीं थी। कई लोगों ने कोशिश की, 66 ईस्वी में नीरो ने कुछ गुलामों से इसे बनाने की कोशिश की और इस तरह की चीज़ें कीं, लेकिन यह काम नहीं आया। यह वास्तव में लगभग 1890 में बनाया गया था। 1890 में कोरिंथियन नहर टूट गई। समस्या यह है कि 1890 में, नावें संकरी थीं इसलिए नहर केवल 60 फीट चौड़ी है। 60 फीट चौड़ी होने में क्या समस्या है? अब आधुनिक नावों के साथ बहुत सी बड़ी समुद्री नावें 60 फीट से अधिक चौड़ी हैं? इसलिए वे गुजर नहीं सकतीं। तो मूल रूप से अब केवल पर्यटक नावें ही वहां से गुजरती हैं, लेकिन यह लगभग 60 फीट चौड़ी है। और जैसा कि मैंने कहा, यह इस नहर में सीधे 200 या 300 फीट गहरी है।

अब हम आरंभिक चर्च में निवासियों के बारे में किस प्रकार की बातें जानते हैं। जनसंख्या अलग-अलग है। कुछ लोगों ने कहा कि वहाँ पाँच लाख लोग रहते थे। कुछ लोगों ने कहा कि समय के अनुसार 70,000 तक। यह समृद्ध था। जाहिर है कि वहाँ काम करने के लिए बहुत सारे दास थे। इसलिए पॉल ने 1 कुरिंथियों 7:20 में टिप्पणी करते हुए कहा, "क्या तुम बुलाए जाने पर दास थे?" एक ऐसे व्यक्ति के साथ क्या होता है जो दास है और फिर ईसाई बन जाता है? "इससे परेशान मत हो। हालाँकि अगर तुम अपनी स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते हो, अगर तुम अपनी स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते हो, तो ऐसा करो।" इसलिए पॉल कहते हैं, तुममें से कुछ लोग दास हैं। अगर तुम कर सकते हो तो अपनी स्वतंत्रता प्राप्त करो। कुरिंथ की संस्कृति बहुत दार्शनिक नहीं है। अगर तुम्हें दर्शनशास्त्र चाहिए, तो तुम एथेंस जाओ। वे थोड़े ज़्यादा दार्शनिक थे। लेकिन जब मैं कुरिंथियन राजधानियाँ कहता हूँ, तो क्या तुम लोगों ने स्तंभ राजधानियों का अध्ययन किया है? स्तंभों के शीर्ष पर आपको आयनिक, डोरिक और फिर कुरिंथियन राजधानियाँ मिलती हैं। याद रखें कि कोरिंथियन लोग सभी फूलों वाले होते हैं। इसलिए बहुत सारे कलात्मक प्रकार के लोग वहाँ नीचे

और उस प्रकृति की चीजें हैं।

पॉल वहाँ तंबू बनाने जा रहा है। पॉल वहाँ कुछ समय के लिए तंबू बनाने जा रहा है। वह और प्रिस्किल्ला और अक्विला मिलते हैं। ये यहूदी थे। प्रिस्किल्ला और अक्विला यहूदी थे जो रोम में थे। उन्हें क्लॉडियस के शासन में बाहर निकाल दिया गया और वे कोरिंथ चले आए। पॉल तब उनके साथ तंबू बनाने वाला बन गया। इसलिए वह तंबू बनाता है, भले ही उसे समर्थन मिल सकता था क्योंकि कोरिंथियन चर्च अमीर था। यह बहुत दिलचस्प है। पॉल उनका पैसा नहीं लेगा। इसके बजाय, वह अपने हाथों से काम करता है और बाद में वह उसे वापस उन पर फेंक देता है।

अब इस पर और अधिक विस्तार से बात करते हैं, कोरिंथियनाइज़ का अर्थ वेश्यावृत्ति करना था। इसलिए कोरिंथ में बहुत अधिक अनैतिकता थी। यह पुस्तक में आने वाला है। हम इस पर चर्चा करने का प्रयास करेंगे। मुझे नहीं पता कि इस कक्षा में इस पर कैसे चर्चा की जाए। मैं इस बारे में काफी सोच रहा हूँ और मुझे नहीं पता कि यह कैसे किया जाए। लेकिन वैसे भी, स्थानीय लोग अनैतिक हैं। एफ्रोडाइट जो प्रेम की देवी थी, वहाँ बहुत प्रसिद्ध थी। वीनस एफ्रोडाइट का रोमन संस्करण था। क्या आपको रोमियों 1 याद है जब पॉल ने यह कठोर निंदा लिखी थी, जिसमें कहा गया था कि अन्यजाति पापी हैं और भगवान ने उन्हें उनकी वासनाओं के लिए छोड़ दिया। भगवान ने उन्हें छोड़ दिया। रोमियों 1, 2 और 3, वे कह रहे हैं कि सभी लोग पापी हैं। वह कोरिंथ को पृष्ठभूमि के रूप में रखकर लिख रहे हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि कोरिंथ और कोरिंथ की नैतिकता पॉल के दिमाग में थी जब वह रोमियों 1 से 3 लिख रहे थे।

अब, कुरिन्थ में चर्च, पॉल चर्च के संस्थापक थे। मैं बस कुछ अंश उद्धृत करना चाहता हूँ। पॉल कहते हैं, "मैंने बीज बोया, लेकिन अपोलोस ने उसे सींचा। लेकिन परमेश्वर ने उसे उगाया।" तो जाहिर है कि पॉल ने बीज बोया। उसने चर्च को लगाया। हम अपोलोस नामक व्यक्ति को देखने जा रहे हैं, जो पुराने नियम के शास्त्रों में शक्तिशाली था। पॉल कहते हैं, अपोलोस ने उसे सींचा, लेकिन परमेश्वर ने उसे उगाया। यह 1 कुरिन्थियों 3:6 है। वह 1 कुरिन्थियों 1:26 में कहते हैं "भाइयों, सोचो कि जब तुम बुलाए गए थे, तब तुम क्या थे। तुम में से बहुत से लोग मानवीय मानकों के अनुसार बुद्धिमान नहीं थे।" वैसे, अगर कोई आकर कहे कि, क्या तुम्हें याद है कि तुम ईसाई बनने से पहले कैसे थे? तुम में से बहुत से लोग बुद्धिमान नहीं थे। क्या यह सिर पर तमाचा मारने जैसा है? पॉल

मानवीय मानकों के अनुसार इन लोगों के साथ बहुत ईमानदार है। "तुम में से बहुत से लोग मानवीय मानकों के अनुसार बुद्धिमान नहीं थे। अब, बहुत से लोग प्रभावशाली नहीं थे, बहुत से लोग कुलीन नहीं थे।" तो इस चर्च से ऐसा लगता है कि वह कह रहा है, तुम लोग इस सीढ़ी के शीर्ष पर नहीं थे। "लेकिन परमेश्वर ने चुना, परमेश्वर ने बुद्धिमानों को शर्मिंदा करने के लिए इस दुनिया की मूर्खतापूर्ण चीजों को चुना।" उसने इस दुनिया की मूर्खतापूर्ण चीजों को चुना। वह मूर्खतापूर्ण चीजों से किसका जिक्र कर रहा है। वह इस चर्च के लोगों का जिक्र कर रहा है। वह कह रहा है, परमेश्वर ने बुद्धिमानों को शर्मिंदा करने के लिए मूर्खतापूर्ण चीजों को चुना।

शर्म और सम्मान की इस बात पर ध्यान दें। पॉलिन के बहुत से पत्रों में शर्म और सम्मान एक बड़ा विषय है। फिर से, हमारी संस्कृति में यह कठिन है, हमारी संस्कृति में शर्म और सम्मान है लेकिन मैं सोचता हूँ कि आपको शर्म कब आती है और आपको सम्मान कब महसूस होता है? हमारी संस्कृति में, हम आम तौर पर सम्मान वाली बात करते हैं। हर कोई ट्रॉफी जीतता है, है न? और इसलिए जब शर्म और सम्मान होता है, तो यह हमारी संस्कृति को कैसे प्रभावित करता है?

वैसे, क्या ऐसी अन्य संस्कृतियाँ भी हैं जहाँ शर्म और सम्मान वाकई बहुत बड़ी बात है, वाकई बहुत बड़ी बात है? क्या आपको वह आदमी याद है, क्या वह डेट्रॉयट में था? मैं इसे कभी नहीं भूलूँगा और शायद मुझे इसे भूलने की कोशिश करनी चाहिए, लेकिन वहाँ सम्मान है। क्या आपको ऑनर किलिंग के बारे में पता है जहाँ एक पिता वास्तव में अपनी बेटियों को मार देता है? वास्तव में यह डेट्रॉयट में हुआ था जब वह एक ऐसे व्यक्ति के साथ बाहर गई थी जिसे वह स्वीकार नहीं करता था। इस पिता ने शर्म और सम्मान की बात के संदर्भ में अपनी बेटियों को गोली मार दी क्योंकि वह यह सुझाव दे रहा था कि उसकी बेटियाँ उसे शर्मिंदा कर रही हैं। यह उनकी संस्कृति में बहुत मजबूत था। वह उस संस्कृति को दर्शाता था जहाँ से वह आया था। तो ये कुछ चीजें हैं।

जैसा कि हमने कहा, पॉल टेंट के साथ काम करता है। अब वह दूसरी मिशनरी यात्रा पर गया। हम पहले ही कह चुके हैं कि उसने वहाँ लगभग दो साल बिताए। उसने वहाँ डेढ़ साल बिताया। इसलिए पॉल इन लोगों को अच्छी तरह जानता है। उसने उनके बीच काम किया और वहाँ डेढ़ साल बिताया। वैसे, पॉल का वहाँ डेढ़ साल बिताना, इसका मतलब है कि जब पॉल किसी शहर में जाता था, तो आमतौर पर क्या होता था। वह आराधनालय गया और प्रचार किया, फिर लगभग

तीन रविवार के बाद क्या हुआ। मैं रविवार कहने जा रहा था, लेकिन तीसरी बार के बाद शनिवार को, वे आम तौर पर उन्हें बाहर निकाल देते हैं, उन्हें शहर से बाहर निकाल देते हैं, और उनकी पिटाई करते हैं। कोरिंथ में ऐसा नहीं हुआ। इसलिए पॉल कहते हैं, अरे, कोरिंथ अच्छा है। उन्होंने मुझे यहाँ आने दिया। वास्तव में उसका बचाव उस व्यक्ति ने किया जो शीर्ष पर था।

पुरातत्वविदों ने कोरिंथ की खुदाई की है। फिर हम वास्तविक अवसर और पुस्तक के लेखन के बारे में बात करेंगे। लेकिन पुरातत्वविदों को वहाँ तीन चीजें मिली हैं जो बहुत बड़ी बात है। वहाँ एक बेमा है और यह मूल रूप से लगभग एक पोडियम की तरह है। यह एक न्यायालय की तरह है जहाँ एक न्यायाधीश अपनी बेंच रखता है। इसे बेमा कहा जाता है। उन्होंने वास्तव में बेमा पाया है। वैसे, इसका उल्लेख प्रेरितों के काम 18:12 में किया गया है। उल्लेख किया गया है कि यह वास्तव में पाया गया है। जिसका उल्लेख प्रेरितों के काम 18:12 में किया गया है और यह बाइबिल के लिए एक बड़ी खोज है। यह दर्शाता है कि बाइबिल ऐतिहासिक है, कि उन्होंने वास्तव में बेमा पाया है।

इसके अलावा एक और लड़का है जिसका नाम एरास्टस है। अब यह एक बच्चे के लिए वाकई एक बढ़िया नाम है। अगर आप किसी बच्चे का नाम एरास्टस ढूँढ़ रहे हैं। तो इसमें लिखा है, "एरास्टस ने शहर के कोषाध्यक्ष के रूप में अपनी नियुक्ति के बदले में अपने खर्च पर भुगतान किया।" उन्हें वास्तव में पत्थर के फ़र्श पर खुदा हुआ यह शब्द मिला है जहाँ लिखा है, "एरास्टस ने अपने खर्च पर यह फ़र्श बनवाया।" अब, यह बहुत दिलचस्प है कि रोमियों 16:23 में पॉल, जब रोम को लिख रहा था, तो वह कुरिन्थ में था और उसने यह लिखा, "एरास्टस जो शहर का सार्वजनिक निर्माण का सार्वजनिक निदेशक है, तुम्हें नमस्कार भेजता है।" तो यहाँ पॉल ने इस लड़के का हवाला दिया है। अब शायद यह आपके लिए कोई बड़ी बात न हो। आप कहेंगे, ठीक है, बेशक उसने किया। लेकिन बहुत से लोग यह कहने की कोशिश करते हैं कि इनमें से बहुत सी बातें ऐतिहासिक नहीं हैं। तो हम जो कह रहे हैं, नहीं, यह आदमी एरास्टस है, ऐसा लगता है कि उसने अपना नाम कुछ पत्थरों पर खुदवाया है जो उसने कोरिंथ में रखे थे। वह एक सार्वजनिक निर्माण का आदमी था और पॉल उसे एक सार्वजनिक कार्य अधिकारी के रूप में उद्धृत करता है और कहता है, अरे, एरास्टस आपको, रोमियों को, नमस्कार भेजता है।

फिर अंत में, द्वार के ऊपर एक आराधनालय की चौखट है जिस पर मूल रूप से "इब्रानियों

का आराधनालय" लिखा है। तो पॉल कुरिन्थ में इब्रानियों के आराधनालय में गया और यह वह जगह है, क्या आपको याद है कि वहाँ क्या हुआ था? मुझे यकीन नहीं है कि मैंने इसे ठीक से लिखा है या नहीं, लेकिन मैं इसे पूरा पढ़ लेता हूँ। मूल रूप से, पॉल आराधनालय में गया, आराधनालय का प्रमुख वास्तव में एक ईसाई बन जाता है, लेकिन आराधनालय में से एक व्यक्ति पॉल के खिलाफ कैन को उठाता है और उसे गैलीलियो के सामने घसीटता है। जो राज्यपाल है। तो पॉल राज्यपाल, सोस्थेनस के सामने जाता है, ये लोग उसे पीटना चाहते हैं। तो वह राज्यपाल के पास जाता है और कहता है, अरे, यह यहूदी यहाँ हर तरह की परेशानी पैदा कर रहा है और राज्यपाल गैलीलियो कहता है, तुम यहूदी हमेशा यहाँ से बाहर निकलने के लिए क्या तर्क देते हो? और वह वास्तव में उसे अदालत से बाहर निकाल देता है। जो होता है वह यह है कि जब सोस्थेनस चला जाता है, तो उसे पीटा जाता है, पॉल को नहीं पीटा जाता। वे सोस्थेनस से बहुत नाराज हैं और सोस्थेनस की पिटाई की जाती है। तो यह पॉल के लिए एक रिकॉर्ड है। आमतौर पर पॉल की पिटाई की जाती थी और इस बार वे वास्तव में पॉल का बचाव करते हैं और वास्तव में सोस्थेनस की पिटाई होती है। वास्तव में दिलचस्प बात यह है कि सोस्थेनस वास्तव में पुस्तक में समाप्त होता है और वह बाद में ईसाई बन गया।

तो, लेखन के अवसर पर, पॉल तीसरी मिशनरी यात्रा पर इफिसुस में है। और जैसा कि आपने उस मानचित्र में देखा, पॉल इफिसुस से कुरिन्थ तक लिखने जा रहा है। यह तीसरी मिशनरी यात्रा पर है। जाहिर है कि उसने पहले एक पत्र लिखा था, वह कहता है, "मैंने तुम्हें अपने पत्र में लिखा है कि तुम यौन अनैतिक लोगों के साथ संगति न करो।" वैसे, तुम कुरिन्थ में हो और पॉल कहता है, "मैंने अपने पिछले पत्र में लिखा था कि यौन अनैतिक लोगों के साथ संगति न करो। कुरिन्थ की समस्या क्या है? पूरा समाज इसी तरह का है। फिर पॉल इसे स्पष्ट करता है। वह कहता है, "मैंने यौन अनैतिक लोगों के साथ संगति न करने के लिए लिखा था, इस दुनिया के लोगों के साथ बिल्कुल भी नहीं," "बिल्कुल नहीं। मतलब इस दुनिया के लोग जो अनैतिक हैं। उस स्थिति में, आपको इस दुनिया को छोड़ना होगा।" पॉल कहते हैं, मैं जानता हूँ कि यह एक भ्रष्ट समाज है। वह कहते हैं, मैं उनके बारे में बात नहीं कर रहा हूँ। मैं बात कर रहा हूँ और वह इसे चर्च में लाने जा रहा है। इसलिए वह इस पिछले पत्र का उल्लेख करता है जो उसने उन्हें लिखा था। तो वास्तव में हमें 1

कुरिन्थियों में जो मिला है, वह वास्तव में 2 कुरिन्थियों का है और हमारे पास असली 1 कुरिन्थियों का नहीं है। हो सकता है कि इस तरह के कुछ अन्य पत्र हों जो गायब हो गए हों। तो, यह पिछला पत्र संभवतः पॉल द्वारा लिखा गया था।

इसलिए वह यहाँ लिखता है कि उनके कुछ प्रश्न थे, और मुझे बस ये पढ़ने दें। छंद कहते हैं, "मेरे भाइयों और बहनों, क्लोए के घराने के कुछ लोग।" देखो क्लोए यहाँ थी। "क्लोए के घराने ने मुझे बताया है कि तुम्हारे बीच झगड़े हो रहे हैं।" तो जाहिर है कि यह एक मौखिक संचार था जो पॉल को मिला और उसने कहा, अरे, क्लोए के घराने ने मुझे बताया कि तुम लोग किसी बात पर झगड़ रहे हो। तो इसमें से कुछ मौखिक था।

लेकिन फिर कुछ लिखा गया था। यदि आप अध्याय सात की आयत एक पर जाएँ, तो उसमें लिखा है, "अब उन बातों के लिए जिनके बारे में आपने लिखा है, यह अच्छा है कि पुरुष किसी स्त्री के साथ यौन संबंध न रखे।" हे भगवान। खैर, तो, ये कुछ प्रश्न हैं जो लिखे गए थे, उनमें से कुछ मौखिक थे। तो पॉल ने कुछ बातें कही हैं।

अब, चर्च में कुछ समस्याएँ क्या हैं? और यह अध्याय छह में है और मुझे बस इसके कुछ अंश पढ़ने दीजिए। ईमानदारी से कहूँ तो मैं निश्चित नहीं हूँ। मैं पूरे दिन इस बात पर बहस करता रहा कि इसे कैसे प्रस्तुत किया जाए और ईमानदारी से कहूँ तो मुझे नहीं पता कि इसे कैसे प्रस्तुत किया जाए। इसलिए मैं संघर्ष करने जा रहा हूँ और इस तरह से आगे-पीछे बुनता रहूँगा ताकि इसका अर्थ समझने की कोशिश कर सकूँ। मुझे लगता है कि यहाँ जो कहा जा रहा है वह काफी स्पष्ट है, लेकिन हम अपने जीवन में शास्त्रों को कैसे लागू करते हैं? तो कोरिंथ, पृष्ठभूमि को देखते हुए, नाविक शहर, उच्च वाणिज्य, बहुत सारा पैसा, बहुत सारे दास, बहुत सारी वेश्याएँ, इस तरह की चीजें।

यह कहता है, तो फिर मैं शुरू करता हूँ। इनमें से बहुत से लोगों ने अपने अतीत में बहुत पाप किए हैं। इसलिए यह कहता है, "क्या तुम नहीं जानते कि दुष्ट लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे।" यह अध्याय छह श्लोक नौ है और उसके बाद, "दुष्ट लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे। धोखा न खाओ, न तो व्यभिचारी, न मूर्तिपूजक, न व्यभिचारी, न पुरुष, न वेश्या, न समलैंगिक अपराधी, न चोर, न लालची, न शराबी, न बदनामी करने वाले और न ठग परमेश्वर के

राज्य के वारिस होंगे।" इसे आप एक बुराई सूची कहते हैं। एक सद्गुण सूची है। सद्गुण सूची ऐसी चीजें हैं मुझे लगता है कि वास्तव में प्रेम पर अध्याय (13) सद्गुणों की एक सूची देता है। प्रेम धैर्यवान है। प्रेम दयालु है, इस तरह की चीजें। तो सद्गुण सूची दी गई है, लेकिन यहाँ दुर्गुणों की एक सूची है। यह उन चीजों से होकर गुजरती है जो बुरी हैं। और इसलिए पॉल यहाँ इन दुर्गुणों को सूचीबद्ध कर रहा है। तो इस संदर्भ में, लेकिन ध्यान दें कि वह किस तरह से आगे बढ़ता है। वह इन बुराइयों को सूचीबद्ध करता है, आप जानते हैं, शराबी और बदनामी करने वाले और ठग और वह इस सूची को नीचे तक ले जाता है।

फिर वह कहता है, "और तुममें से कुछ लोग ऐसे ही थे। और तुममें से कुछ लोग ऐसे ही थे।" इसलिए जब वह इन सभी गंदी चीजों को सूचीबद्ध करता है, तो वह कहता है, तुममें से कुछ लोग ऐसे ही थे, लेकिन तुम हमारे परमेश्वर की आत्मा द्वारा प्रभु यीशु मसीह के नाम पर धोए गए, पवित्र किए गए, धर्मी ठहराए गए।" तो आपको यह तनाव मिलता है। फिर पॉल इन चीजों की निंदा दुष्टता के रूप में करता है। वे परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं हैं। लेकिन फिर वह कहता है, तुममें से कुछ लोग, तुम इसी में भाग ले रहे हो लेकिन तुम मसीह के खून से धोए गए हो और शुद्ध किए गए हो। तो इन अंशों में यह तनाव है और मैं बस इनमें से कुछ पर जाना चाहता हूँ और यह पता लगाने की कोशिश करना चाहता हूँ कि इसे कैसे संबोधित किया जाए क्योंकि मुझे लगता है कि आपकी पीढ़ी में, हम, मैं कैसे कहूँ कि मुझे यकीन नहीं है कि आपकी पीढ़ी इससे कैसे जूझती है।

लेकिन मेरे बच्चे हैं और इसलिए मैं कुछ हद तक बता सकता हूँ और वे बड़े बच्चे हैं। इसलिए वास्तव में मुझे पता है कि आप में से कोई भी उनसे नहीं मिलेगा। तो वैसे भी, तो मैं वहाँ ठीक हूँ लेकिन यह सिर्फ, वैसे भी, इतिहास, इनमें से कुछ अंश। यह अध्याय छह, श्लोक 12 है। फिर वह कहता है, "मुझे अधिकार है, जो कुछ भी आप कहते हैं, वह करने का, लेकिन सब कुछ लाभदायक नहीं है।" दूसरे शब्दों में मुझे कुछ भी करने का अधिकार है, लेकिन पॉल कहता है, लेकिन सब कुछ लाभदायक नहीं है। "मुझे कुछ भी करने का अधिकार है लेकिन मैं किसी भी चीज़ के अधीन नहीं होऊँगा।" आप कहते हैं, और फिर मुझे नीचे जाने दें। वह श्लोक 18 में कहता है, यह कहता है, "भागो, यौन अनैतिकता। एक व्यक्ति द्वारा किए गए अन्य सभी पाप शरीर के बाहर हैं। लेकिन जो कोई भी यौन पाप करता है वह अपने शरीर के खिलाफ पाप करता है। लेकिन क्या

आप नहीं जानते कि आपके शरीर पवित्र आत्मा के मंदिर हैं?" तो ध्यान दें कि वह यहाँ सेक्स और शरीर को भगवान का मंदिर बनाता है। उन दोनों को एक साथ रखना एक बहुत ही दिलचस्प बात है। और वह कहता है, ये फिर से मजबूत चीजें हैं। "तुम्हारे अंदर कौन है और तुमने उसे परमेश्वर से प्राप्त किया है। तुम अपने नहीं हो। तुम्हें कीमत देकर खरीदा गया है।" कीमत क्या थी? कीमत यीशु का कीमती खून था। और वह कहता है, तुम्हारा शरीर एक मंदिर है, "इसलिए अपने शरीर से परमेश्वर का सम्मान करो।" "अपने शरीर से परमेश्वर का सम्मान करो।"

तो यह 21वीं सदी में रहने वाले ईसाइयों के संदर्भ में कुछ बहुत बड़े मुद्दे उठाता है। हम इन चीजों को कैसे संभालते हैं जब हमारी संस्कृति काफी हद तक, मैं कैसे कहूँ, क्या हमारी संस्कृति बहुत हद तक कोरिंथ जैसी है? बहुत सारे परिवार टूट गए हैं। हमें मूल रूप से ग्रेड स्कूल से ही सिखाया जाता है कि सेक्स नाक साफ करने जैसा है। यह बिल्कुल सामान्य बात है और कोई बड़ी बात नहीं है। फिर आप कहेंगे, क्या यह वास्तव में कोई बड़ी बात नहीं है। और इसलिए आप इस तनाव में आ जाते हैं और मुझे नहीं पता कि इसके साथ क्या करना है, लेकिन मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में आपको बहुत गंभीरता से सोचने की ज़रूरत है। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में चर्च को गंभीरता से सोचने की ज़रूरत है।

समस्या यह है कि मैं खुद को दो पक्षों के बीच फंसा हुआ पाता हूँ। एक पक्ष है अपने बच्चों के बारे में कहना और उन्हें बड़ा होते देखना। एक को इस संबंध में बहुत परेशानी हुई। और इसलिए वह 16 साल की उम्र में घर आ गई और मैं नहीं, मुझे यह क्लास पसंद नहीं है क्योंकि यह बहुत ही व्यक्तिगत है। आपके पास वहाँ सौ लोग हैं। लेकिन मैं बस, मैं जो सोचता हूँ, उसे समझने की कोशिश कर रहा हूँ। मैं बस आपको एक पिता को संघर्ष करते हुए देखना चाहता हूँ और साथ ही अपनी बेटी के साथ भी। मेरी बेटी 16 साल की उम्र में आई और उसने घोषणा की कि वह गर्भवती है। वह हमें नहीं बताएगी कि पिता कौन है। इसके साथ बहुत सारी चीजें जुड़ी हुई हैं। तो अब मेरी बेटी एक बच्चे को जन्म दे रही है, वह लगभग 16 साल की है। मैं कई तरह की चीजें महसूस कर रहा हूँ। जैसे कि एक पिता के रूप में मैं कितना बड़ा असफल हूँ, कि मैं ऐसा कर रहा था। मैंने उसे इसके बारे में चेतावनी दी थी, मैं इसे आते हुए देख सकता था। उसके सभी दोस्त उसी दिशा में जा रहे थे। मैं इसे स्पष्ट रूप से देख सकता था। एक घंटी की तरह। मैं मूर्ख नहीं हूँ, हालाँकि

पॉल के दृष्टिकोण से शायद मैं मूर्ख हूँ, लेकिन मैं इसे आते हुए देख सकता था। मैंने उसे चेतावनी दी। मैंने उसके लिए "पहला चुंबन" नामक एक कविता भी लिखी। मैं इसे कभी नहीं भूलूँगा। पहला चुंबन, आप अपना पहला चुंबन कैसे बर्बाद कर सकते हैं? यह बस, ... ताकि वह घर आ जाए।

अब सवाल: क्या हुआ? तो मेरी बेटी इस मामले में शामिल है और उसे एक बेटा हुआ है। बेटे का जन्म मेरे अपने पोते के जन्म के समय हुआ था। हमने आठ साल तक बेन की देखभाल की। वह मेरे लिए एक बेटे की तरह है। वैसे, मेरे दो बच्चे हैं। मेरी दो लड़कियाँ और दो लड़के हैं। मेरे दो लड़के छोटे थे और इसलिए जब बेन का जन्म हुआ, तो उसके दो बड़े भाई भी ऐसे ही थे। समस्या यह थी कि वे उससे लगभग सात साल बड़े थे। तो बेन बड़ा हो गया, क्या आप जानते हैं कि ऐसे बड़े भाई होने का क्या मतलब है? इसलिए जब वह खेल के मैदान में जाता था, तो कोई भी उसके साथ खेलवाड़ नहीं करता था क्योंकि उसके दो बड़े भाई थे। इसलिए वह जहाँ भी लड़के जाते थे, वहाँ जाता था। इसलिए वह स्कीइंग करने जाता था और वह वह सब करता था जो उसकी उम्र के बच्चे के लिए उन्नत था क्योंकि उसके बड़े भाई उसे कोचिंग दे रहे थे, जिसमें अब दुर्भाग्य से डेनवर में ट्रिपल ब्लैक डायमंड्स पर जाना भी शामिल है जहाँ वे स्कीइंग करते हैं। वह लगभग एक पेड़ से टकरा गया था, जो वैसे भी अच्छा नहीं है। तो वैसे भी, वे अब कुछ पागलपन भरे काम कर रहे हैं। उसके बड़े भाई अभी भी पागल हैं और वे मेरे बेटे हैं। मेरी समस्या यह है कि मेरी बेटी इस तरह की चीज़ों में शामिल है और वैसे, यह हमारी संस्कृति में समस्या का एक हिस्सा है, आप कहते हैं, ओह, कोई बड़ी बात नहीं है। यह कोई बड़ी बात नहीं है। हमारी संस्कृति में सब कुछ ठीक है। लेकिन शास्त्र मुझे यहाँ बताता है, "यौन अनैतिकता से दूर रहो।" शास्त्र मुझे नहीं बताता है, यह बुराइयों में से एक है। इसमें कुछ गड़बड़ है।

अब सवाल यह है कि मैं अपनी बेटी से कैसे संपर्क करूँ? फिर क्या मैं अपनी बेटी के पास जाकर कहता हूँ, तुम पापी हो, तुम जानती हो, भगवान पाप से नफरत करते हैं और तुम कहती हो, ओह, तुमने पाप किया है। जवाब था नहीं। असल में वह जानती थी कि उसने जो किया वह गलत था। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहला कदम है। वह जानती थी कि उसने जो किया वह गलत था। फिर हमारा परिवार इकट्ठा हुआ और उसकी रक्षा की। आप जानते हैं कि हमें उसे सबसे ज़्यादा दूसरे ईसाइयों से किससे बचाना था। हाँ, ईसाइयों से।

तो पादरी, चर्च आया और वह मदद करना चाहता था। उसने बात की और जो कुछ भी उसने कहा वह बिल्कुल सही था। लेकिन सबटेक्स्ट यह था, और मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा था, मेरी बेटी सख्त थी। मैंने उसे बास्केटबॉल खेलना सिखाया। मैंने उसे सिखाया, मैं कैसे कहूँ कि जब दूसरी लड़कियाँ गुड़ियों से खेल रही थीं। वह ट्रकों से खेल रही थी। फिर उसने बास्केटबॉल खेला। हम हमेशा उसके साथ अभ्यास करते थे। वैसे भी, जब वे चले गए, तो यह मेरे जीवन का पहला मौका था जब मैंने उसे रोते हुए देखा। जब वे चले गए तो वह रोई। मूल रूप से जो हुआ वह यह था कि मेरी पत्नी और मैंने पादरी और उसकी पत्नी को हमारे घर से बाहर निकाल दिया क्योंकि वे जो कर रहे थे वह टेबल के नीचे मुक्का मारना और मारना था, यह बहुत भयानक था। तो आखिरकार हमने ऐसा किया। मैं ऐसा था कि बहुत हो गया, तुम्हें यहाँ से चले जाना चाहिए। मैं तुम्हें मेरी बेटी को पीटने नहीं दूँगा जो पहले से ही पिट चुकी थी।

तो मैं कह रहा हूँ कि जब आप इस तनाव को समझते हैं, तो एक तरफ, मुझे क्या कहना चाहिए? क्या यीशु पापियों के लिए मरा? क्या यीशु पापियों के लिए मरा? पाप वास्तव में एक बड़ी बात है। यह कोई छोटी बात नहीं है। हमारी संस्कृति में, हमारी संस्कृति ने मूल रूप से संवेदनहीनता को बढ़ावा दिया है। हमने पाप के खिलाफ़ गोली चलाई है ताकि पाप कोई बड़ी बात न रहे। मैं कहना चाहता हूँ कि अगर पाप कोई बड़ी बात नहीं है और यीशु पापों के लिए मरा। तो इसे हल्के में न लें। पाप एक बड़ी बात है। दूसरी तरफ, क्या मसीह हमारे पापों के लिए मरा? मेरी बेटी अपने पापों को स्वीकार करती है। और वैसे, क्या उसे ऐसा करना है, हमें जिम्मेदारी लेनी है और एक परिवार के रूप में, हमने पहले आठ वर्षों तक बेन का पालन-पोषण किया और उसके बाद। वह गॉर्डन आई, गॉर्डन से गुज़री। यहाँ कोई नहीं जानता था। हम इस क्षेत्र में चले गए। कोई नहीं जानता था, लेकिन बेन पोर्ट्समाउथ क्रिश्चियन अकादमी में स्कूल जा रहा था। मैं उसे वहाँ ले जा रहा था। अब वैसे, उसने कहा कि यह भयानक जगह है। मुझे नहीं पता कि उन्होंने उसे ऐसा क्यों करने दिया, लेकिन वह ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी नामक इस स्कूल में गया था। मुझे खेद है कि ऐसा था, मैं बस इसका मज़ाक उड़ा रहा हूँ। अगर आप ओहियो स्टेट गए हैं, तो आप जानते होंगे कि ये लोग अपनी फुटबॉल टीम के आदी हैं।

लेकिन खैर, मैं यहां जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि एक ओर हमें, जैसा कि ईसाई कहते

हैं, यह पाप की समस्या है। दूसरी ओर, हमें अनुग्रह के सेवक बनने की आवश्यकता है। मेरी बेटी को उस समय उपचार की आवश्यकता थी। वैसे, और इस बीच, मेरी पत्नी और मैं इस पूरी बात को समझने की कोशिश में घबरा रहे थे और माता-पिता के रूप में पूरी तरह से असफल महसूस कर रहे थे। मुझे लगता है कि मैं वही बात कहना चाहता हूँ जो मैं अपनी बेटी से कहता।

ठीक है. और वास्तव में मुझे एक दिलचस्प रूपक मिला है कि डॉक्टर डार्को, वह इन रूपकों में बात करते हैं और मुझे वे पसंद हैं. वे वास्तव में मददगार हैं. क्या आप कभी डॉलर जनरल में जाते हैं और आपको डॉलर जनरल में मोतियों का एक पैकेज मिलता है और आपको डॉलर जनरल से कुछ हीरे मिलते हैं. फिर मैं उन्हें अपनी पत्नी के पास घर ले जाता हूँ और कहता हूँ, देखो मैंने तुम्हारे लिए कुछ हीरे लाए हैं और यह देखो. मोती भी, बिल्कुल तुम्हारी माँ की तरह. उसकी माँ के पास मोतियों की एक माला थी. और इसलिए मैं उन्हें डॉलर जनरल में ले जाता हूँ. मैं अपनी पत्नी के पास घर जाता हूँ, देखो मैंने कुछ हीरे लाए हैं. फिर आप बोस्टन में न्यूबरी स्ट्रीट पर जाएँ या आप पाँचवें एवेन्यू पर जाएँ और हीरे खरीदें. वे केवल वहाँ हैं. उनकी कीमत क्या है? मोतियों की एक माला \$10,000 है, ऐसे मोतियों की कीमत आपको \$5,000 हो सकती है. अब अगर आप किसी के पास जाते हैं और वे आपसे कुछ उधार लेना चाहते हैं और आपके पास पाँचवें एवेन्यू से कुछ है और आपको डॉलर जनरल से कुछ मिलता है, तो क्या आप उन्हें पहले डॉलर जनरल का सामान देंगे? क्या आप बाकी सामान रखेंगे? क्या आप सोचेंगे, हे भगवान, यह सामान मूल्यवान है और इसलिए आप इसे यहाँ-वहाँ नहीं दिखाएंगे, जैसे कि यह सब यहाँ है। आप ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि यह बहुत मूल्यवान है। यह बहुत मूल्यवान है। मुझे लगता है कि शास्त्र यह कहने की कोशिश कर रहा है कि आप लोग बहुत मूल्यवान हैं। इधर-उधर मत घूमो आप बहुत मूल्यवान हैं। आपके शरीर पवित्र आत्मा का मंदिर हैं। यह एक बड़ी बात है। अब हम एक ऐसी संस्कृति में रहते हैं, जहाँ आप संस्कृति से कैसे लड़ सकते हैं? लेकिन पॉल कुरिन्थ की संस्कृति, कुरिन्थियन संस्कृति से कैसे लड़ता है? वह एक आदमी से कहता है कि इस तरह की अनैतिकता से दूर भागो। यह हमारी संस्कृति में एक वास्तविक संघर्ष है। यह बहुत अनुमेय है।

हमारी पूरी संस्कृति, 1960 और 70 के दशक ने इन सभी तरह की बाधाओं को तोड़ दिया। अब यह बस है, अरे, कोई बड़ी बात नहीं। मैं जो कहना चाहता हूँ, मुझे लगता है कि मैं विवाह में

विश्वास करता हूँ। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि, मुझे पता है कि यह वास्तव में पांडित्यपूर्ण और मूर्खतापूर्ण लगोगा, लेकिन यह प्रतीक्षा के लायक है। अपने पति या पत्नी के सामने खुद को पेश करने के लिए प्रतीक्षा करना उचित है। यह बस है, और वैसे, मेरी बेटी के साथ जो हुआ। उसने पाया, अपने जीवन के अधिकांश समय में बेन को पालने के बाद, उसे यह लड़का मिला, वह अपने तीसवें दशक में था। वह एक वकील है, कुछ ऐसा जो वह कभी नहीं सीखती। यह एक मजाक माना जाता था। ठीक है। उसका पति एक वकील है। उसने इस लड़के के अधीन अध्ययन किया। शिकागो विश्वविद्यालय में जहाँ उसके पास कुछ प्रोफेसर थे। उस लड़के का नाम बराक कुछ और था। तो अब क्या हुआ कि मेरी बेटी जो बहस करना पसंद करती है, विवाहित है, यह वकील है और, और उनकी शादी के पहले पाँच साल, मैं गंभीर हूँ। मुझे वास्तव में डर था कि वे एक दूसरे को मार डालेंगे। वे बहस करते थे और मेरी बेटी बहुत, बहुत होशियार है। वह बहुत होशियार है, अपने पिता और माँ से भी ज़्यादा होशियार। इसलिए वह बहस करती और वह, वह एक वकील है, वह सीधे गले पर हमला कर देता। वह, वह गलत जगहों पर उस पर पलटवार करती। वह उसे शारीरिक रूप से नहीं, बल्कि सिर्फ़ बौद्धिक रूप से मारने की कोशिश करती और इस तरह छत से ऊपर उठ जाती। वे रुकते नहीं।

तो पाँच साल बाद, यह वाकई दिलचस्प था। हम पिछली गर्मियों में उनके घर गए थे और कहा कि पाँच साल बाद आखिरकार उन्होंने इस तरह से लड़ना सीख लिया है कि दूसरे व्यक्ति को नष्ट न किया जाए। यह वास्तव में पता चला है कि वे वास्तव में एक-दूसरे से प्यार करते हैं और यह उसके लिए बहुत बढ़िया रहा है। अब उसके पास एक लड़का है जो वास्तव में उससे बहुत प्यार करता है। यह बहुत बढ़िया है, भले ही वह एक वकील है। मुझे खेद है, यह टेप पर है। मैं अब बड़ी मुसीबत में हूँ। हाय रॉबर्ट। क्षमा करें।

तो मैं जो सुझाव देने की कोशिश कर रहा हूँ वह यह है कि ईसाई होने के नाते मैं इसे कभी नहीं भूलूँगा। पिछली क्रिसमस जब मेरी बेटी घर पर थी। उसने कहा, पापा, मैं उस दिन को कभी नहीं भूलूँगी जब पादरी को हमारे घर से बाहर निकाल दिया गया था। उसने उससे क्या सीखा? क्या उसने सीखा कि खिलवाड़ करना ठीक है? नहीं। उसने जो सीखा वह यह था कि उसने कहा, कि मैं जानता था कि मैं जो भी करूँगा, उसके माता-पिता उसके साथ खड़े होंगे। उसने जो भी किया,

उसके माता-पिता उसके साथ खड़े होंगे। अच्छे समय में, बुरे समय में हम हर चीज के लिए वहाँ हैं। यह उसके लिए बहुत मायने रखता था।

मेरे बेटे के लिए भी यह बहुत मायने रखता है। उसे भी अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी समस्याएँ थीं। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ, वह यह है कि, एक परिवार एक जगह है, एक ऐसी जगह जहाँ आपको सुरक्षित और संरक्षित महसूस करना चाहिए। इसलिए जब कोई अंदर आता है और मेरी बेटी पर हमला करता है, तो वह जानती है कि उसका बूढ़ा आदमी उसके सामने आकर कहेगा "अरे, दरवाजा बंद करो जैक।" फिर मैं उसकी रक्षा करने जा रहा हूँ। क्या वह जानती है कि उसका पिता अपनी जान देकर उसकी रक्षा करेगा? और उसने यह भी देखा है।

और इसलिए मैं जो कह रहा हूँ, वैसे, हम ईश्वर का परिवार हैं। हम ईश्वर का परिवार हैं। क्या हमें एक दूसरे की रक्षा करनी चाहिए? क्या हमें एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए? यह 1 कुरिन्थियों 13 है। इसलिए हम ऐसे लोग नहीं हैं जो किसी ऐसे व्यक्ति पर अपनी उँगलियाँ गड़ाते हैं जो घायल हो। हम अपनी उँगलियाँ गड़ाते नहीं हैं और कहते हैं, "ओह, तुम अपने बड़े पापी को जानते हो।" जान लो कि इस कमरे में हर कोई पापी है। हम पाप को माफ नहीं करते हैं, और इसलिए मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आपको पाप को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है, लेकिन साथ ही आप पाप को गंभीरता से लेते हैं, क्या आप कभी ईश्वर की कृपा से अभिभूत हुए हैं? क्या आप कभी ईश्वर की कृपा से अभिभूत हुए हैं? पॉल कहते हैं, शराबी, बदनामी करने वाले, यौन अनैतिक चीजें और यही आप में से कुछ थे, लेकिन आप धोए गए हैं। क्या आप जानते हैं कि धोया हुआ और साफ महसूस करना कैसा होता है? यीशु मसीह का खून हमें सभी पापों से शुद्ध करता है।

क्या आपको जॉन द बैपटिस्ट याद है जब हम सुसमाचारों में वापस आए थे? जॉन द बैपटिस्ट आता है और क्या कहता है? "देखो भगवान का मेमना," पूरा पुराना नियम, "देखो भगवान का मेमना" कौन क्या करता है? "दुनिया के पाप को दूर करता है।" यह अब तक का सबसे अच्छा है। हम सभी गड़बड़ करते हैं। लेकिन यीशु मसीह का खून, अनुग्रह है और अनुग्रह दुनिया की सबसे अद्भुत चीजों में से एक है।

अब, वैसे, क्या मैं कहता हूँ, "अरे, मैं और पाप करने जा रहा हूँ ताकि मैं परमेश्वर की कृपा महसूस कर सकूँ। मैं और पाप करने जा रहा हूँ ताकि मैं और कृपा प्राप्त कर सकूँ।" नहीं, नहीं।

यदि आप अपने पिता से प्यार करते हैं, जो स्वर्ग में है, तो क्या आप अपने पिता को खुश करने की कोशिश करेंगे? हाँ। तो ये कुछ ऐसी बातें हैं जिनसे पॉल निपट रहा है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि कुरिन्थियों की पुस्तक इसमें शामिल है। तो यहाँ कुछ कठिन चीजें हैं, लेकिन दो बज चुके हैं। चलो एक ब्रेक लेते हैं। पाँच मिनट का ब्रेक।

प्रभु का भोज, और यह एक और बात है, प्रभु का भोज, कुरिन्थ का चर्च, वे प्रभु के भोज को कैसे खराब कर सकते हैं? यह कहता है, यह अध्याय 11 में है, यह कहता है, "जब आप एक साथ आते हैं, तो यह प्रभु का भोज नहीं है जिसे आप खाते हैं, क्योंकि आप में से प्रत्येक व्यक्ति किसी और की प्रतीक्षा किए बिना आगे बढ़ता है।" और इसलिए वे प्रभु के भोज के लिए बैठते हैं और ये लोग बस खाते रहते हैं। पॉल कहते हैं, "अरे, यह अच्छा नहीं है।" एक भूखा रहता है और दूसरा नशे में हो जाता है।" हम यूचरिस्ट के बारे में बात कर रहे हैं। हम प्रभु के भोज के बारे में बात कर रहे हैं। लोग प्रभु के भोज में नशे में हो रहे हैं। वैसे, यह आपको क्या बताता है? कप में क्या है? मैं विभिन्न चर्चों के साथ इस पर बहस नहीं करना चाहता, लेकिन यह सिर्फ इतना कहता है, "आप में से कुछ भूखे रहते हैं, दूसरा नशे में हो जाता है। क्या आपके पास खाने-पीने के लिए घर नहीं हैं? इसलिए, जो कोई भी प्रभु की रोटी खाए और प्रभु के प्याले को अनुचित तरीके से पिए, वह प्रभु की देह और लहू के विरुद्ध पाप करने का दोषी होगा।" वैसे, क्या यह है, मुझे पता है कि जब मैंने प्रभु का भोज किया, तो वे आपसे कहते हैं, इसे अनुचित तरीके से न लें। इसलिए आपको यह देखने के लिए गहन आत्मनिरीक्षण करना होगा कि क्या आप प्रभु का भोज लेने के लिए तैयार हैं। क्या यह वास्तव में इसी बारे में बात कर रहा है? क्या पॉल विशेष रूप से उस समस्या के बारे में बात कर रहा है जिससे वे प्रभावित हुए हैं कि लोग नशे में धुत हो जाते हैं और लोग आगे बढ़कर प्रभु का भोज करने लगते हैं?

वैसे, क्या यहाँ कोई है ग्रेस ब्रदरन? अलग-अलग चर्च अलग-अलग तरीकों से प्रभु भोज मनाते हैं। क्या आप ऐसे चर्च गए हैं जहाँ इस तरह की कोई चीज़ होती है और हर कोई एक कप लेता है और आप उसे आगे बढ़ाते हैं। आपके ज़्यादातर चर्च फसह के कारण अखमीरी रोटी का इस्तेमाल करते हैं। पुराने नियम से याद करें कि मसीह फसह के मेमने के साथ अंतिम भोज ले रहे थे। तो क्या आप में से कोई ऐसे चर्च गए हैं जहाँ एक कप होता है और वे एक कप आगे बढ़ाते हैं?

जैसे कि एक कप से लाखों लोग पीते हैं? मैं वास्तव में, मैं वहाँ गया हूँ जहाँ हर कोई पीता है और पंक्ति के अंत में आदमी के पास एक पोंछे जैसी चीज़ होती है और वह कप के चारों ओर इस तरह घूमता है। यह वही बात है। जब मैंने ऐसा किया तो मैं सोच रहा था कि मैं इज़राइल में हूँ। वे कप आगे बढ़ा रहे हैं और मैं इन लोगों को देख रहा हूँ, मैं बीमार हूँ। मैं उनके मुँह से अमीबा को बाहर निकलते हुए देख सकता हूँ। मैं बहुत बीमार होने वाला हूँ। तो आज जब तुम घर जाओगे तो तुम बहुत बीमार हो जाओगे। मुझे नहीं मालूम, मैं कभी बीमार नहीं पड़ा।

लेकिन मैं सिर्फ़ ग्रेस ब्रेथर्न वाली बात करूँगा। कई सालों तक, मैंने इंडियाना के विनोना लेक में ग्रेस कॉलेज और सेमिनरी में पढ़ाया। वहाँ उन्होंने ग्रेस ब्रेथर्न वाली बात की। वे वास्तव में पैर धोते हैं। तो प्रभु के भोज के उस हिस्से में, वे वास्तव में पूरा भोजन करते हैं। आप पूरा भोजन करते हैं और मैं गंभीरता से कह रहा हूँ कि आप अपने जूते उतारते हैं और अपने पैर धोते हैं। वैसे, क्या इसमें वाकई कुछ अच्छा है? आप अपने बगल में बैठे व्यक्ति के पैर धोते हैं और वे आपके पैर धोते हैं। आप कहते हैं, मैं नहीं चाहता कि कोई मेरे पैर देखे। यह भी संभव है। लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूँ कि इसमें वाकई कुछ सुंदर है। इसमें वाकई कुछ सुंदर था। वैसे, तो इसके साथ समस्या यह है कि क्या आप इसे हर महीने एक बार करते हैं? इसका उत्तर है, नहीं, क्योंकि भोजन बनाना और पैर धोना बहुत बड़ी बात है, आपको वह सब कुछ तैयार करना पड़ता है। इसलिए वे आम तौर पर इसे तिमाही में एक बार करते हैं, इसलिए आप इसे हर महीने के बजाय साल में चार बार करते हैं। कुछ चर्च इसे हर हफ़्ते करते हैं। तो प्रभु का भोज, और यह एक बड़ी बात है। तो प्रभु के भोज पर बहुत सी शिक्षाएँ यहाँ से आएंगी (1 कुरिं 11)। लेकिन फिर से, मैं जो बात कहना चाह रहा हूँ, वह यह है कि क्या आप देखते हैं कि संस्कृति ने चर्च में अपना रास्ता कैसे बना लिया है? ये लोग प्रभु के भोज में नशे में धुत हो रहे हैं और पॉल कहते हैं, यह अच्छा नहीं है। आपको वहाँ कुछ समस्याएँ हैं।

वे अध्याय पाँच में इस आदमी को अनुशासित करने से चूक गए हैं। अध्याय पाँच में, चर्च में इस आदमी के बारे में पॉल ने बात की है, यह चर्च में एक समस्या है जो सामने आती है। मुझे देखने दो। क्या मैंने पृष्ठ पलट दिया? हाँ। अध्याय पाँच, मैं बस शुरू करता हूँ। यह कहता है, "वास्तव में यह बताया गया है कि आपके बीच यौन अनैतिकता है, जो कि बुतपरस्त भी नहीं करते या बर्दाश्त नहीं करते, एक आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है।" और आप कहते हैं, "हे भगवान,

यह वास्तव में धिनौना है।" हाँ, पॉल यही कह रहा है कि वह आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है "और आपको गर्व है।" वास्तव में, हम बहुत सहिष्णु लोग हैं। वे सब कुछ स्वीकार करते हैं क्योंकि हम बहुत सहिष्णु हैं। आप इसे हमारी संस्कृति में कई लोगों में देखते हैं। अब सहिष्णुता वास्तव में आपके मुख्य मूल्यों में से एक है। वह कहता है, "क्या तुम्हें उस व्यक्ति को अपनी संगति से बाहर निकालने के लिए शोक नहीं मनाना चाहिए था जो ऐसा कर रहा है। मेरी ओर से, भले ही मैं शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हूँ, मैं आत्मा में तुम्हारे साथ हूँ, जो इस तरह से तुम्हारे साथ मौजूद है। मैंने पहले ही प्रभु यीशु के नाम पर उस व्यक्ति पर निर्णय पारित कर दिया है जो ऐसा कर रहा है। इसलिए जब तुम इकट्ठे होते हो, तो मैं आत्मा और शक्ति प्रभु यीशु में तुम्हारे साथ हूँ, इस आदमी को शैतान को सौंप दो।" तो यह कहता है, "इस आदमी को शैतान को सौंप दो।" अब इसका क्या मतलब है? मुझे लगता है कि इसका मतलब है कि उन्हें चर्च से बाहर निकाल दिया जाए।

यह आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है और पॉल कहता है कि यह बुरा है। शरीर के विनाश के लिए उन्हें चर्च से बाहर निकालो, न कि इसलिए कि तुम इस आदमी को चोट पहुँचा सको, बल्कि इसलिए कि "प्रभु के दिन उसकी आत्मा बच जाए। तुम घमंड करना ठीक नहीं कर रहे हो। क्या तुम नहीं जानते कि थोड़ा सा खमीर पूरे आटे को खमीर कर देता है। पुराने खमीर को निकाल दो ताकि तुम्हारे पास अखमीरी रोटी हो। मसीह के लिए हमारे फसह के मेमने की बलि दी गई है।" तो मूल रूप से यह आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है। पॉल कहता है, तुम्हें पता है, तुम्हें इस बारे में कुछ करना होगा। तो तुम घमंड कर रहे हो, यह तथ्य कि तुम अपने आप पर इतना गर्व करते हो कि तुमने कुछ नहीं किया और यह आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है। यहाँ तक कि बुतपरस्त भी इस तरह की चीज़ों से घृणा करते हैं। तो तुम लोगों को इसका ध्यान रखना होगा। उसे शैतान के हवाले कर दो। उसे चर्च से बाहर निकाल दो। तो यही एक समस्या है, जिसे पॉल ने संबोधित किया है।

यहाँ एक और बात है: गुटबाजी। चर्च में ऐसे गुटबाजी होती है जहाँ चर्च लड़ता है। क्या आप कभी ऐसे चर्च में गए हैं जहाँ चर्च में गुटबाजी होती है? चर्च में उपसमूह/ रूढ़िवादी विचारधाराएँ होती हैं और वे सभी एक दूसरे के गले की हड्डी होती हैं। मैं भी ऐसे ही संदर्भों में रहा हूँ। उदाहरण के लिए मैं अध्याय 1 में हूँ, श्लोक 10 में लिखा है, "कुछ लोग कह रहे थे, मैं पॉल का हूँ। दूसरे शब्दों

में कह रहे थे कि मैं अपोलो का हूँ..." संभवतः वे सिद्धांत पर लड़ रहे थे। सिद्धांत पर नहीं, बल्कि व्यक्तित्व पर। मैं पॉल का हूँ, मैं अपोलो का हूँ। तो यह एक व्यक्तित्व पंथ बन जाता है जहाँ एक पादरी को दूसरे पादरी पर तरजीह दी जाती है। मुझे यह व्यक्ति पसंद है। मुझे वह व्यक्ति पसंद नहीं है। तो पॉल कह रहा है, यह अच्छा नहीं है? "क्या तुम अभी भी सांसारिक हो? क्योंकि जब तुम्हारे बीच ईर्ष्या और झगड़ा है, तो क्या तुम सांसारिक नहीं हो जब एक कहता है, मैं पॉल का अनुसरण करता हूँ और दूसरा कहता है, मैं अपोलो का अनुसरण करता हूँ।" तो पॉल कहता है, मुझे नहीं लगता कि इसमें ईर्ष्या है कि मैं इस नेता का अनुसरण करता हूँ और मैं इस नेता का अनुसरण करता हूँ। वह कहता है, नहीं, यह अच्छा नहीं है यार। गुटबाजी।

और फिर पॉल अपने बारे में यह टिप्पणी करता है। "क्योंकि मुझे ऐसा लगता है कि भगवान ने हमें जुलूस के अंत में प्रदर्शन के लिए प्रेरितों के रूप में रखा है, जैसे कि अखाड़े में मरने के लिए सजा पाए हुए लोग। इसलिए पॉल कहता है, प्रेरित अखाड़े में मरने वाले लोगों की तरह हैं। हम पूरे ब्रह्मांड के लिए, स्वर्गदूतों के साथ-साथ मनुष्यों के लिए भी एक तमाशा बन गए हैं। हम मूर्ख हैं।" अब वह प्रेरितों के बारे में बात कर रहा है। वह कहता है, हम प्रेरित मूर्ख हैं, "लेकिन तुम बहुत बुद्धिमान हो" और मसीह, वैसे, उन्होंने इसे क्या कहा? पॉल कहता है, हम प्रेरित हैं। हम एक तमाशा बन गए हैं। उन्होंने हमें इन अखाड़ों में रखा और जानवर हमें चीर-फाड़ कर मार देते हैं। लेकिन तुम लोग, हम मसीह के लिए मूर्ख हैं। लेकिन तुम बहुत बुद्धिमान हो।

आप इस अंश की व्याख्या कैसे करेंगे? पॉल के इस कथन को हम क्या कहेंगे, "हम मूर्ख हैं लेकिन तुम कुरिन्थियों बहुत बुद्धिमान हो।" आप जानते हैं कि यह व्यंग्य है। आप समझ रहे हैं कि वह क्या कह रहा है? क्या वह वास्तव में कह रहा है कि वह और प्रेरित मूर्ख हैं और वे बहुत बुद्धिमान हैं? नहीं, वह यहाँ व्यंग्य का प्रयोग कर रहा है और वह मूल रूप से इन लोगों का मज़ाक उड़ा रहा है और कह रहा है कि तुम लोग सोचते हो कि तुम बहुत बुद्धिमान हो और प्रेरित मूर्खों का एक समूह हैं। लेकिन वास्तव में, यह बिल्कुल उल्टा है। इसलिए पॉल उन पर व्यंग्य का प्रयोग करता है और व्यंग्य फटकार का रूप ले सकता है। आपको सावधान रहना होगा कि आप इसे कैसे करते हैं। लेकिन पॉल यहाँ इसका प्रयोग करता है।

फिर पौलुस कहता है, "मैंने तुम्हें दूध दिया, और ठोस भोजन नहीं दिया क्योंकि तुम इसके

लिए तैयार नहीं थे।" "मैंने तुम्हें दूध दिया और ठोस भोजन नहीं दिया क्योंकि तुम इसके लिए तैयार नहीं थे।" तो यह प्रेरित पौलुस है। फिर वह आगे कहता है। "तुम अभी भी तैयार नहीं हो।" वह कहता है, इसलिए चर्च में गुटबाजी और विभाजन, कौन किसका अनुसरण करता है और इस तरह का दुर्व्यवहार चर्च में एक बड़ी समस्या थी।

मूर्ति का मांस। यह इतना प्रासंगिक नहीं है और कम से कम सीधे तौर पर। इसका ईसाई स्वतंत्रता से संबंध है। दूसरे शब्दों में, समस्या यह है कि वे मूर्तियों को बलि चढ़ाने के लिए मांस चढ़ाते हैं। और पॉल कहते हैं, अरे, क्या मूर्तियाँ कुछ हैं? मूर्तियाँ कुछ भी नहीं हैं। इसलिए एक आदमी एक अच्छा स्टेक रखता है और उसे जलाता है, और भगवान के लिए पकाता है। वह कहता है, अरे, यह अभी भी एक अच्छा स्टेक है, मैं इसे अभी भी खा सकता हूँ क्योंकि देवता कुछ भी नहीं हैं और मांस अच्छा है। तो फिर एक सवाल है, लेकिन समस्या यह है कि अगर मांस मूर्ति को समर्पित किया गया है, तो कुछ लोग क्या सोचेंगे जब आप उस मांस को खा रहे होंगे? वे सोच सकते हैं कि आप उस भगवान की सेवा कर रहे हैं।

और इसलिए पॉल ने ये टिप्पणियाँ कीं। वह कहता है, "तो फिर मूर्तियों को बलि चढ़ाए गए भोजन को खाने के बारे में। हम जानते हैं कि मूर्ति दुनिया में कुछ भी नहीं है और एक के अलावा कोई ईश्वर नहीं है।" वैसे, जब वह कहता है "एक के अलावा कोई ईश्वर नहीं है," तो आपके दिमाग में क्या चल रहा है? क्या किसी को पुराना नियम याद है? एक के अलावा कोई ईश्वर नहीं है, हर यहूदी के दिमाग में क्या चल रहा है? देखिए क्या आपको शेमा इज़राइल याद है, "यहोवा हमारा ईश्वर है, यहोवा का एक।" यह पॉल का शेमा का संदर्भ है।

"लेकिन हर कोई यह नहीं जानता। कुछ लोग अभी भी मूर्तियों के आदी हैं जब वे ऐसा खाना खाते हैं। वे इसे मूर्ति के लिए बलि चढ़ाए जाने के रूप में सोचते हैं क्योंकि उनकी चेतना कमजोर है और यह अपवित्र है।" दूसरे शब्दों में, वे मूर्तियों को चढ़ाए गए मांस को खाने के इतने आदी हैं। यदि आप वह मांस खाते हैं, तो वे सोचेंगे कि आप इस मूर्ति की सेवा कर रहे हैं और वह कहते हैं, यह अच्छा नहीं है। "हालांकि, सावधान रहें कि अपनी स्वतंत्रता का प्रयोग करें," दूसरे शब्दों में, मैं बेहतर जानता हूँ और मुझे पता है कि मांस का किसी भी चीज़ से कोई लेना-देना नहीं है। यह अच्छा मांस है। इसे खाने से वह उन लोगों के लिए बाधा नहीं बनता जो कमजोर हैं। यह एक बहुत ही

दिलचस्प सिद्धांत बन जाता है। फिर मूल रूप से जिसे मैं कमजोर भाई तर्क कहना चाहता हूँ। अब जैसे ही आप कमजोर भाई कहते हैं, आप कहते हैं कि यह एक अपमानजनक तरह की टिप्पणी है। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि किसी व्यक्ति को इससे कोई समस्या नहीं हो सकती है और उन्हें इससे कोई समस्या नहीं है और यह उनके लिए ठीक है और आपके आस-पास के किसी अन्य व्यक्ति को कुछ वास्तविक समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, आप ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं करते क्योंकि वे वहाँ हैं। इसलिए आपको अपने द्वारा की जाने वाली कुछ चीज़ों के बारे में सोचना होगा। दूसरे शब्दों में, आपका व्यवहार दूसरे लोगों को प्रभावित करता है और आपको दूसरे लोगों के बारे में सोचना होगा और यह भी कि वहाँ कौन है और वे इस पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे।

मैं ब्रेक के दौरान किसी से बात कर रहा था। मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ जिसका एक भाई है जो मूल रूप से बहुत शराब पीता है। वह बहुत ज़्यादा पीता है। और इसलिए जब वह उनके घर आता है, भले ही वे स्वतंत्र हों, वे शराब या कुछ और पी सकते हैं क्योंकि इस व्यक्ति को इससे समस्या है, तो वे शराब को घर से बाहर निकाल देते हैं ताकि उसे इससे कोई समस्या न हो। आप नहीं चाहते कि वह फिर से नशे में हो क्योंकि वह किसी को मार सकता है और लगभग मार ही चुका है। "इसलिए, अगर मैं जो खाता हूँ उसके कारण मेरा भाई पाप में पड़ता है, तो मैं फिर कभी मांस नहीं खाऊँगा।" तो पॉल कहते हैं कि हमें ऐसा करने का अधिकार है, लेकिन हम दूसरों की खातिर अपने अधिकारों को छोड़ना चुनते हैं। मुझे लगता है कि शायद यही सबसे बड़ा संदेश है कि पॉल कहते हैं, मुझे मसीह में इनमें से लगभग कोई भी काम करने की स्वतंत्रता है। लेकिन वह कहते हैं, मैं उन्हें छोड़ने जा रहा हूँ। मैं उन चीज़ों को छोड़ने जा रहा हूँ। मैं कोई बाधा नहीं डालने जा रहा हूँ। मैं अपने भाई के सामने कोई बाधा नहीं डालने जा रहा हूँ।

इसलिए वह दूसरी बात जो लाता है वह है मुकदमे। यह एक कठिन मामला है। क्या ईसाइयों को, क्या ईसाइयों को अन्य ईसाइयों पर मुकदमा करना चाहिए? क्या ईसाइयों को अन्य ईसाइयों पर मुकदमा करना चाहिए? आप मुकदमों के बारे में क्या सोचते हैं? अध्याय छह में, यह कहा गया है, "यदि आप में से किसी का किसी दूसरे के साथ कोई विवाद है, तो क्या आप इसे प्रभु के लोगों के सामने न्याय के लिए ले जाने की हिम्मत करते हैं? या आप नहीं जानते कि प्रभु के लोग दुनिया का न्याय करेंगे। और यदि आप दुनिया का न्याय करेंगे, तो क्या आप तुच्छ मामलों का न्याय करने में

सक्षम नहीं हैं? क्या आप नहीं जानते कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे?" और फिर वह आगे बढ़ता है और वह मूल रूप से कहता है, यदि आपका भाई आपके खिलाफ आता है, तो उसे धर्मनिरपेक्ष न्यायालयों में न ले जाएं। लेकिन "इसलिए यदि आपके ऐसे मामलों के बारे में विवाद हैं, तो क्या आप उन लोगों से निर्णय मांगते हैं जिनके जीवन के तरीके को चर्च में तिरस्कृत किया जाता है? मैं यह आपको शर्मिंदा करने के लिए कहता हूँ। तो यह संभव है कि आप में से कोई भी इतना बुद्धिमान न हो कि विश्वासियों के बीच विवाद का न्याय कर सके। लेकिन इसके बजाय विश्वास करो, एक दूसरे को न्यायालय में ले जाओ।"

जब आप विश्वासियों के साथ न्यायालय जाते हैं? जब आप विश्वासियों को यहाँ न्यायालय में ले जाते हैं, तो ऐसा लगता है कि आप ऐसा नहीं कर रहे हैं। वैसे, क्या आप कुरिन्थियों की पुस्तक लेते हैं और इसे कानून की पुस्तक में बदल देते हैं, यह कहते हुए कि बाइबल यही कहती है। आपको यह करने का यही तरीका है और आप इसे एक कानूनी चीज़ में बदल देते हैं? क्या पॉल यहाँ यही कह रहा है? मुझे ऐसा नहीं लगता। मैं आपको बस कुछ मामले बताता हूँ। तो ठीक है, तो हम एक घर किराए पर दे रहे हैं। हम एक घर किराए पर दे रहे हैं और घर में एक जोड़ा रहता है जो तलाक की प्रक्रिया से गुज़र रहा है। मैंने घर का नवीनीकरण किया। मैंने घर को पूरी तरह से खाली कर दिया, नई पाइपलाइन लगाई, नई वायरिंग लगाई, दीवारों पर नई ड्राईवॉल लगाई, घर को मूल रूप से ज़मीन से ऊपर तक फिर से बनाया, सिवाय इसके ढांचे के। ये लोग जो हमारे दोस्त हैं, हमने उन्हें घर किराए पर दिया। पता चला कि जब वे तलाक से गुज़रे, तो, मैं उस घर में गया और घर की हर खिड़की में, घर की हर आखिरी खिड़की टूटी हुई थी या टूट गई थी। सामने की तरफ एक 12 फुट का कांच का टुकड़ा था। मुझे नहीं पता कि आप इसे कैसे तोड़ सकते हैं। यह कोई मज़ाक नहीं था, यह लगभग एक इंच मोटा ठोस कांच था। आप अपना सिर उस चीज़ से टकरा सकते थे और यह नहीं टूटता था। यह एक बहुत बड़ा टुकड़ा था। मैंने कांच का इतना बड़ा टुकड़ा कभी नहीं देखा था। हाँ। यह चीज़ के आर-पार टूट गया। आपने इसे तोड़ने के लिए एक हथौड़े का इस्तेमाल किया होगा। तो खैर, अब हम घर की मरम्मत करने जा रहे हैं। घर की मरम्मत के लिए हमें शायद 10 या 15,000 डॉलर खर्च करने होंगे। क्या हम उसके पीछे जाएँगे और उस पर मुकदमा करेंगे? और मुझे नहीं पता कि हमने जो किया वह सही था या गलत। हमने नहीं किया। हमने नहीं किया। क्या उनके

पास अपनी खुद की पर्याप्त समस्याएँ थीं? उनके पास अपनी और अपने बच्चों के बीच की लड़ाई के बीच पर्याप्त समस्याएँ थीं। कुछ ऐसा करना जो वाकई बहुत बुरा था और जो समुदाय में अच्छी तरह से जाना जाता था। और इसलिए मूल रूप से मेरी पत्नी, मेरी पत्नी और मैंने बस यही खाया। अब जबकि हमें उन पर मुकदमा करने का अधिकार है। हाँ। क्या हमें उन पर मुकदमा करना चाहिए था? मुझे नहीं पता। वे चले गए और हम महीनों और महीनों की मेहनत के साथ समाप्त हो गए। मेरी पत्नी सबसे ज़्यादा नाराज़ थी। उन्होंने वॉलपेपर को छील दिया, जिसे वे क्या कहते हैं? उसने जो वॉलपेपर लगाया था, उसे लगाने में उसे कई घंटे लग गए थे। उन्होंने उसका कुछ हिस्सा छील दिया था, बस उसे फाड़ दिया। वह कुछ खास थी, मुझे नहीं पता कि मैं इस पर क्यों हंसता हूँ लेकिन वह वॉलपेपर को लेकर बहुत नाराज़ हो जाती है। लेकिन वैसे भी, तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जब ईसाई लोग हों और कोई उल्लंघन हो तो आपको क्या करना चाहिए। आप ईसाई लोगों को अदालत में कब ले जाते हैं।

मान लीजिए कि कोई ईसाई आपकी कार के पीछे से टक्कर मारता है, तो आप इस मामले को अपनी बीमा कंपनी को सौंप देंगे और मामले को अदालत में ले जाएंगे। हाँ, शायद। तो, मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आपको यहाँ नियम बनाने में सावधानी बरतनी होगी। क्या ऐसे समय होते हैं जब किसी पर मुकदमा चलाने की ज़रूरत होती है? तो केट [डेमेलो], मैं बस यही कहना चाह रहा हूँ कि आप इसे जिस तरह से संभालते हैं वह मज़ेदार है। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि यह वास्तव में मुश्किल हो जाता है। जब आप एक ईसाई समुदाय हैं, तो मान लीजिए कि गॉर्डन में कोई व्यक्ति कुछ डोप या जो भी आप लोग इसे अब कहते हैं या मारिजुआना के साथ पकड़ा जाता है।

लेकिन वैसे भी, अगर कोई व्यक्ति इस पदार्थ या किसी ऐसी चीज़ के साथ पकड़ा जाता है जो यहाँ अवैध मानी जाती है, तो वह, गॉर्डन आपको पुलिस के हवाले कर देता है। गॉर्डन आपको पुलिस के हवाले कर देता है। वैसे, यह सिर्फ़ कुछ ऐसा है, आप कुछ ऐसा करते हैं जो वास्तव में अवैध है। वे आपको पुलिस के हवाले कर देते हैं। क्या गॉर्डन आमतौर पर घर में ही उस सामान को संभालने की कोशिश करते हैं, क्योंकि वे लोगों के साथ काम करने की कोशिश कर रहे हैं? मेरा मतलब है कि यह गलत है, लेकिन वे लोगों के साथ काम करने की कोशिश करते हैं क्योंकि उन्हें उनकी परवाह है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आपको सावधान रहना होगा। मैं जो कह रहा

हूँ वह यह है कि इस पर कट और सूखे नियम बनाने के बारे में सावधान रहें। कभी-कभी मुझे लगता है कि ईसाई संगठनों को अदालत में ले जाने की ज़रूरत है क्योंकि वे जो कर रहे हैं वह बहुत गलत है और इसे कुछ बाहरी निगरानी की ज़रूरत है। दूसरी बार मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि अनुग्रह का शासन होना चाहिए और इसे आंतरिक रूप से संभाला जाना चाहिए। आपको लोगों के साथ काम करना चाहिए। खैर, मुझे लगता है कि मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि इसके लिए, इसके बारे में सावधान रहें। आपको बुद्धि की ज़रूरत है। बुद्धि का मतलब है कि आपके पास विवेक है और कभी-कभी आपको इसकी ज़रूरत होती है। यह माता-पिता या आपके माता-पिता होने जैसा है। कभी-कभी वे आपके साथ सख्त होते हैं। कभी-कभी वे ढीले होते हैं। आपको पता होना चाहिए कि कब, आपको पता होना चाहिए कि कब पीछे हटना है और आपको पता होना चाहिए कि कब कठोर व्यवहार करना है। और अगर आपको इनके बीच का अंतर नहीं पता है और आप बस कहते हैं, ठीक है, हर बार मैं हमेशा एक ही काम करता हूँ, तो आप एक रोबोट की तरह हैं। आप लोगों को नष्ट करने जा रहे हैं और आप लोगों को चोट पहुँचाने जा रहे हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आपको परिस्थितियों को समझना होगा और उन पर प्रतिक्रिया करनी होगी। तो वैसे भी, मुकदमे। यह मूल रूप से चर्च के अंदर चीजों को

संभालने की कोशिश करने के लिए कहता है। चर्च के अंदर आप चीजों को कैसे संभालते हैं?

अब मेरे एक अच्छे दोस्त ने कहा कि यह कैसी स्थिति है, मेरे एक सबसे अच्छे दोस्त ने कहा कि आप बच्चे नहीं हैं, वह आदमी वास्तव में बच्चा नहीं था। यह उसकी पत्नी है और वह, वे तलाक से गुजरे और हमारे घर को नष्ट कर दिया और \$10,000, \$15,000 का नुकसान हुआ। क्या आप जानते हैं, वह गॉर्डन कॉलेज में बैठा था, और यह 20 साल बाद की बात है, 20 साल बाद, मुझे पता था कि वह आदमी बहुत परेशान था। वह अलास्का चला गया। अलास्का में बहुत सारी मुफ्त चीजें हैं। वैसे भी, वह अलास्का वापस चला गया और मैंने सोचा, तुम उस आदमी को फिर कभी नहीं देखोगे। तुम्हें पता है कि 20 साल बाद मैं फ्रॉस्ट हॉल में बैठा था जहाँ मैं अपने कार्यालय में बैठता हूँ और अचानक मुझे एक फ़ोन आया। मैंने फ़ोन उठाया और उसने कहा, "अरे, क्या तुम्हें मेरी याद है?" मैंने कहा, "हाँ, मुझे तुम्हारी याद है।" उसने फ़ोन किया और कहा, "मैं सिर्फ़ हमारे किए के लिए माफ़ी मांगना चाहता था।" उसने कहा, "मुझे पता था कि तुम लोगों के लिए यह बहुत मुश्किल था।"

यह 20 साल बाद हुआ। सवाल यह है कि क्या यह मेरे लिए \$10,000 से ज़्यादा मूल्यवान था? मैं आपको बताना चाहता हूँ, हाँ, मैं इसे एक सेकंड में फिर से करूँगा। भगवान उसके जीवन में काम कर रहे थे। यह 20 साल बाद की बात है। हममें से कुछ लोगों को दूसरों की तुलना में काम करने में ज़्यादा समय लगता है, लेकिन यह 20 साल बाद की बात है और भगवान ने उसके जीवन में काम किया था। वह अपने जीवन को व्यवस्थित कर रहा था और उसने इतना सोचा कि उसने मुझे ढूँढ़ लिया क्योंकि उसे नहीं पता था कि मैं कहाँ हूँ। मैंने वह स्कूल छोड़ दिया, कौन जाने मैं कहाँ हूँ। वह शायद इंटरनेट पर गया होगा। वह शायद इंटरनेट पर न्यू टेस्टामेंट क्लास में गया होगा। वह कहता है, "मुझे याद है कि मैंने एक बार वह कोर्स किया था।" बस इतना ही काफी था। लेकिन वैसे भी, जोनाथन ने मुझे वापस बुलाया और मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि ईमानदारी से कहूँ तो, ऐसे किसी व्यक्ति में वास्तविक पश्चाताप देखने के लिए 10 से 15,000 डॉलर खर्च करना उचित था। तो मैं जो कह रहा हूँ, कभी-कभी आपको बस कुछ खाने की ज़रूरत होती है और आप उसे खाते हैं। आप उसे खाते हैं क्योंकि आप मसीह के पदचिन्हों पर चल रहे हैं और आप मसीह की तरह बनने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे, इसका मतलब यह नहीं है कि मसीह कभी-कभी वास्तव में नाराज़ हो जाते हैं। क्या आपको मत्ती 23 याद है? हे शास्त्रियों और फरीसियों, कपटियों, तुम पर हाय। वह उनके पीछे जाता है, मेज़ें पलट देता है और कहता है, "तुम लोग कपटियों का झुंड हो।" यीशु एक प्यारा सा कबूतर है, आप लोगों ने देखा है कि इस यीशु का एक कठोर पक्ष भी है। लेकिन दूसरी ओर, वहाँ बहुत अनुग्रह था। तो आपको फिर से, यह जानने के लिए बुद्धि का उपयोग करना होगा कि आपको कब मुकदमा करना चाहिए और कब नहीं करना चाहिए। मुझे लगता है कि मेरी बात यह है कि मुकदमों के खिलाफ़ एक प्रवृत्ति है।

लेकिन मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि मैंने खुद को एक तरह से पेश किया है, लेकिन सच तो यह है कि मैंने ईसाइयों के खिलाफ़ मुकदमा दायर किया है। किसी ने मेरा कॉपीराइट चुरा लिया और वैसे भी, इसलिए मुझे कॉपीराइट वकील को बुलाना पड़ा और उनके खिलाफ़ मुकदमा दायर करना पड़ा क्योंकि यह एक बहुत बड़ी गड़बड़ थी। इसलिए जब कोई समस्या हो तो उससे सावधान रहें।

विवाह और ब्रह्मचर्य। यह अध्याय सात है और यहाँ बहुत सारे सवाल उठते हैं। मुझे 1

कुरिन्थियों 7 से विवाह या ब्रह्मचर्य पर कुछ अंश पढ़ने दें। किसी ने इसे उठाया, आप जानते हैं, हमारी संस्कृति में एक बड़ी समस्या है और मैं बस इसे बता दूँगा, आप लोग इसे मुझसे दस गुना बेहतर जानते हैं। पुराने दिनों में, लोग कब शादी करते थे? आप कब परिपक्व होते थे? आमतौर पर 16-18 साल की उम्र में। मेरी माँ ने 18 साल की उम्र में शादी कर ली थी। अब मैंने अपनी बेटियों की ओर देखा और मैंने कहा, "अरे, 18 साल की? मैं इसके बारे में सोचना भी नहीं चाहता। लेकिन, लेकिन मेरी बेटी, मेरी माँ की शादी हो गई थी क्योंकि वे जल्दी शादी कर देते थे। अब क्या समस्या है मेरा एक 27 साल का बेटा है। तो जो हो रहा है वह यह है कि अब शादी होती थी, इसलिए आप 18 या 19 साल की उम्र में शादी कर लेते थे। आप हाई स्कूल से स्नातक होते थे, फिर आप शादी कर लेते थे। अपने दादा-दादी से पूछिए। मेरी पीढ़ी में, आपको कॉलेज जाना पड़ा। इसलिए उनके पास कॉलेज के चार साल थे। इसलिए आप कॉलेज के ठीक बाद 21-22 की उम्र में शादी कर लेते थे। यही वह जगह है जहाँ, मेरी पत्नी और मैंने शादी कर ली। हम बहुत कम उम्र के थे, लेकिन फिर भी। अब, आप कॉलेज से स्नातक हो चुके हैं और अब मैं देख रहा हूँ, मेरे बेटे अपने बीसवें दशक के अंत में हैं और वे इस पूरी डेटिंग चीज़ में हैं। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि आपके पास पतन का एक दशक है। जब आप शारीरिक रूप से परिपक्व होते हैं, तब से लेकर शादी के समय तक आपके पास एक दशक है। यह क्या है, 10 साल हो गए, या उससे भी अधिक समय हो गया।

वैसे, क्या लिंगों का ध्रुवीकरण हो रहा है? तो इससे कई अन्य समस्याएं पैदा होती हैं। और वास्तव में मेरे बेटे इसे अब और फिर से पा रहे हैं, उह, आप जानते हैं, वे लिंगों के ध्रुवीकरण के कारण वहां हैं। अब किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढना मुश्किल है, जो मेरे बच्चों के साथ इस बारे में बहुत समय बिताता हो। इसके लिए दोनों पक्षों की ओर से बहुत सारी व्याख्याएँ हैं। लेकिन वैसे भी, विवाह और ब्रह्मचर्य, पॉल क्या कहता है?

अब मैं आपको पॉल के साथ कुछ दिखाना चाहता हूँ। "अब उन शिष्टाचारों के बारे में जिनके बारे में आपने लिखा है, यह एक आदमी के लिए अच्छा है।" और फिर यह कहता है, मुझे NIV पढ़ने दो। "यह एक आदमी के लिए अच्छा है और एक महिला के साथ यौन संबंध नहीं रखना चाहिए।" आप कहेंगे, ओह, यह समझ में आता है। "लेकिन चूंकि यौन अनैतिकता हो रही है, इसलिए प्रत्येक पुरुष को अपनी पत्नी के साथ यौन संबंध रखना चाहिए।" इसलिए वह कहता है कि

अनैतिकता के कारण, व्यक्ति को विवाह करना चाहिए। वह नीचे जा रहा है, अब मुझे थोड़ा और नीचे जाने दो। हाँ, वह कहता है, "मैं इसे एक रियायत के रूप में कहता हूँ, एक आदेश के रूप में नहीं।" "मैं इसे एक रियायत के रूप में कहता हूँ और मैं चाहता हूँ कि आप सभी मेरे जैसे हों, लेकिन आप में से प्रत्येक को ईश्वर से अपना उपहार मिलेगा। एक के पास यह उपहार है, दूसरे के पास वह है। अब अविवाहितों और विधवाओं से मेरा कहना है कि उनके लिए अविवाहित रहना अच्छा है, जैसा कि मैं करता हूँ।" तो पॉल जाहिर तौर पर या तो विधुर था या अविवाहित, लेकिन वह कहता है, अरे, अविवाहित रहो। उसने कहा, काश तुम लोग वैसा कर पाते जैसा मैं करता हूँ। लेकिन वह कहता है, दूसरे लोगों के पास दूसरे उपहार हैं। तो ध्यान दें कि वह कहता है कि यह एक रियायत है। यह कोई आदेश नहीं है। तो पॉल यहाँ जो कह रहा है, वह जाहिर तौर पर इसमें कुछ छूट है। वह कहता है कि उन्हें शादी कर लेनी चाहिए "क्योंकि वासना से जलने से शादी करना बेहतर है।"

फिर पॉल और श्लोक 10, वह कहता है, "विवाहितों को, मैं यह आज्ञा देता हूँ, और वे कहते हैं, मैं नहीं, बल्कि प्रभु। एक पत्नी को अपने पति से अलग नहीं होना चाहिए, लेकिन अगर वह अलग हो जाती है, तो उसे अविवाहित रहना चाहिए और अपने पति से मेल-मिलाप करना चाहिए और उसके पति को अपनी पत्नी को तलाक नहीं देना चाहिए। बाकी लोगों के लिए," वह कहता है, "मैं यह कहता हूँ," अब, यह वही है जो मेरे लिए दिलचस्प है। वह कहता है, "मैं यह कहता हूँ, मैं प्रभु नहीं, अगर किसी भाई की पत्नी है, जो विश्वासी नहीं थी और वह उनके साथ रहने को तैयार है, तो उसे तलाक नहीं देना चाहिए। लेकिन अगर महिला का पति विश्वासी नहीं है और वह उसके साथ रहने को तैयार है, तो उसे तलाक नहीं देना चाहिए क्योंकि अविश्वासी पति अपनी पत्नी के माध्यम से पवित्र हो गया है"। फिर वह कहता है, "लेकिन अगर अविश्वासी छोड़ देता है, तो उन्हें ऐसा करने दें।" यदि अविश्वासी व्यक्ति छोड़ देता है, दूसरे शब्दों में वह व्यक्ति ईसाई बन जाता है, उसका पति या साथी छोड़ने का निर्णय लेता है तो वह कहता है, "ऐसी परिस्थितियों में भाई या बहन बंधे नहीं होते, परमेश्वर ने हमें शांति से रहने के लिए बुलाया है।"

लेकिन इस पर ध्यान दें, वह कहता है, "मैं प्रभु के बारे में नहीं कहता।" अब क्या इसका मतलब यह है कि पॉल कह रहा है, यह शास्त्र नहीं है, लेकिन यह सिर्फ मेरी राय है। यह हिल्डेब्रांट की कक्षा की तरह है जब वह बाईं ओर चलता है, कि यह आपको सिर्फ यह बता रहा है कि यह

सिर्फ पॉल की राय है और यह वास्तव में शास्त्र नहीं है। मुझे नहीं लगता कि वह यही कह रहा है। वह कह रहा है, "मैं प्रभु के बारे में नहीं कहता।" पिछले वाले में, मुझे लगता है कि वह यीशु को उद्धृत कर रहा था और वह कह रहा था, यह वही है जो यीशु ने वास्तव में कहा था। अब मैं आपको एक प्रेरित के रूप में अपनी राय दे रहा हूँ और एक प्रेरित के रूप में, क्या वह एक प्रेरित के रूप में भगवान के लिए बोलता है? वह भगवान के लिए बोलता है। इसलिए इस मामले में सावधान रहें।

पॉल कहते हैं कि उनकी इच्छा है कि हर कोई उनके जैसा ही रहे, लेकिन यहाँ भी कुछ है। पद 26 में, मैं बस इतना ही कहना चाहूँगा, पॉल कह रहे हैं, जैसे वे हैं वैसे ही अविवाहित रहें और फिर वे यह भी कहते हैं। वे कहते हैं, अध्याय नौ, पद पाँच, "क्या हमें अपने साथ एक विश्वासी पत्नी को ले जाने का अधिकार नहीं है?" पॉल कहते हैं, वे इन मिशनरी यात्राओं पर हैं। आपने उनकी यात्राएँ देखी होंगी। वे कहते हैं, "क्या हमें अपने साथ एक विश्वासी पत्नी को ले जाने का अधिकार नहीं है जैसा कि अन्य प्रेरितों और प्रभु के भाइयों को है? प्रभु के भाई कौन होंगे? जेम्स और यहूदा? यहूदा। वह व्यक्ति जिसने यहूदा की पुस्तक लिखी, जेम्स और यहूदा। और वे कहते हैं, "और कैफा। कैफा कौन है? कैफा पीटर है। पीटर जाहिर तौर पर अपनी पत्नी को लेकर घूमता रहा है। मुझे हमेशा इससे मज़ा आता है। आपका पहला पोप है, उसकी एक पत्नी है। वह उनके साथ घूमता रहा है। लेकिन वैसे भी, वह कहता है, ये सभी अन्य प्रेरित, वह कहता है, मैं भी ऐसा कर सकता था। लेकिन वह कहता है कि यह वह नहीं है जो उसे करना चाहिए था। लेकिन फिर यहाँ कुछ ऐसा है जो मुझे लगता है कि शर्तों को पूरा करता है, मुझे बस इतना कहना है, आपने देखा है और शास्त्र भगवान को विवाह की मंजूरी देता है, ईडन के बगीचे से, एडम और ईव तक। आपने सारा और अब्राहम और शास्त्र के माध्यम से सभी को देखा है। लेकिन क्या विवाह और व्यवस्थाविवरण, वगैरह, वगैरह था। भगवान विवाह को मंजूरी देते हैं। विवाह सबसे अविश्वसनीय चीजों में से एक है। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ क्योंकि मैं विवाह के पक्ष में एक विज्ञापन करना चाहता हूँ। मेरी पत्नी और मैं बहुत बूढ़े हो गए हैं। वास्तव में मैं इसे सार्वजनिक रूप से नहीं कहूँगा, लेकिन हम बहुत बूढ़े हो गए हैं और मूल रूप से हमारी शादी को 42 साल हो गए हैं और मैंने सोचा कि जब आप युवा होते हैं, तो आप भावुक होते हैं और आपकी शादी सबसे अच्छी होती है और आप युवा होते हैं और जैसे-जैसे आप बड़े होते जाते हैं, यह फीका पड़ने लगता है। आप बूढ़े हो जाते हैं, चिड़चिड़े लोग बस बैठे

रहते हैं। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि यह सच नहीं है, कि हमारी शादी के कुछ सबसे अच्छे साल शादी के 40 साल बाद आए हैं। आप कहते हैं कि आप इतने बूढ़े हैं? हाँ। और मैं आपको बताना चाहता हूँ कि इसमें एक खूबसूरती है, मैं उस खूबसूरती को शब्दों में बयां भी नहीं कर सकता। जब आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ बैठते हैं जिसके साथ आपने इतना जीवन बिताया है और आप दोनों के बच्चे एक साथ हैं और अचानक आपके बच्चे आपको कॉल करके बात करते हैं। आप अपने बच्चों के बारे में बात करते हैं और आपका साझा इतिहास एक लंबे समय तक चलने वाला साझा इतिहास है, मैं यह कहने जा रहा था कि यह 40 साल तक रूममेट के साथ रहने जैसा है।

आप कहते हैं, नहीं, नहीं, मैं ऐसा नहीं करना चाहता। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहना जिसे आप 40 साल तक प्यार करते हैं, इससे बेहतर कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि ईमानदारी से कहूँ तो यह इस धरती पर सबसे अच्छी चीजों में से एक है। यह बेहतर हो गया है। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि हम एक-दूसरे के आदी हो चुके हैं। हम एक-दूसरे और बच्चों से प्यार करते हैं। वैसे भी, यह बहुत खूबसूरत है। मैं वास्तव में इसकी अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ।

लेकिन वह कहता है, "मैं प्रभु नहीं कहता" और हमने कहा कि वह यहाँ एक प्रेरितिक अधिकारी है। अब मुझे वापस जाना है। एक बात जो मैं पढ़ना चाहता हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि यह इस चर्चा में महत्वपूर्ण है और वह है 1 कुरिन्थियों 7:26 जहाँ वह कहता है, "वर्तमान संकट के कारण, मुझे लगता है कि तुम्हारे लिए यह अच्छा है कि तुम जैसे हो वैसे ही रहो।" यानी कुंवारी रहो। "लेकिन जो लोग शादी करते हैं उन्हें इस जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। और मैं चाहता हूँ कि तुम इससे बचो।" पॉल कहता है, मैं तुमसे यह कह रहा हूँ, कि मैं चाहता हूँ कि तुम वर्तमान संकट के कारण अविवाहित रहो। तो क्या यह संभव है कि जीवन में ऐसे समय हों जब विवाहित होना अच्छा न हो? मान लीजिए कि आप सीरिया में हैं, और आप एक सीरियाई ईसाई हैं। आप होम्स में हैं और आप एक सीरियाई ईसाई हैं और आप अपने पति से विवाहित हैं। क्या यह अच्छा है या बुरा? क्या उस समय अकेले रहना बेहतर होगा? क्योंकि वे आपके पति को क्यों बाहर निकालते हैं? वे उसके साथ क्या करते हैं? वे उसे मार देते हैं। और आपको एक पत्नी के रूप में यह देखना होगा। क्या यह मुश्किल है? या एक पति जो एक पत्नी से विवाहित है और उसे सफाई करनी

है, मैं यह कहना भी नहीं चाहता, लेकिन उन्होंने [आईएसआईएस] ऐसा किया। फिर यह हो रहा है। मेरा मतलब है, मैं यह सब नहीं बना रहा हूँ। यह अभी सीरिया और उत्तरी इराक में हो रहा है। उनमें से कुछ लोग टेलीविजन पर दिखाई दिए हैं। मोसुल/निनवे से निकले कुछ ईसाई। मोसुल शहर में 100,000 ईसाई थे, एक लाख ईसाई। क्या आप जानते हैं कि मोज़ेल में अब कितने ईसाई हैं? ज़िप्पो। उसके साथ क्या हुआ? तो यह बहुत भयानक है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि ऐसे समय आते हैं। पॉल कह रहा है कि वर्तमान संकट के कारण, विवाहित होना अच्छा नहीं हो सकता है। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि आपको इस पर भी काम करना होगा। तो शायद कॉलेज एक वर्तमान संकट है और कॉलेज में विवाह न करना अच्छा है क्योंकि आप जानते हैं कि वर्तमान संकट आपके ऊपर है। क्षमा करें, यह कुछ बीमार हास्य था। लेकिन कैसे भी।

अब सिर ढकना, 1 कुरिन्थियों 11 में सिर ढकने के बारे में बताया गया है और इससे कुछ मुद्दे उठते हैं। क्या आप में से कोई मेनोनाइट पृष्ठभूमि से आता है? क्या किसी को सिर ढकने की पृष्ठभूमि है। अध्याय 11 की पाँचवीं आयत में लिखा है, "हर महिला जो प्रार्थना करती है," या मैं बस इतना कहूँगा, "हर महिला जो प्रार्थना करती है या भविष्यवाणी करती है," यह महत्वपूर्ण है। मैं उस पर वापस आऊँगा। "हर महिला जो अपने सिर को खुला रखकर प्रार्थना या भविष्यवाणी करती है, वह अपने सिर का अपमान करती है। यह वैसा ही है जैसे उसका सिर मुंडा हुआ हो।" तो आप इस बात से कैसे निपटते हैं कि सिर ढकना ज़रूरी है। और मैं इस बात में खो जाना नहीं चाहता, लेकिन कुछ संस्कृतियों में, क्या महिलाएँ टोपी पहनती हैं क्योंकि यह उनके सिर पर अधिकार का संकेत है। अगर आप यहूदी संस्कृति में जाते हैं, तो मैं बस इतना ही कहूँगा। तो मैं यरूशलेम में एक आराधनालय में जा रहा हूँ और यह एक सूट कोट है। पेरी फिलिप्स और मैं इस बात पर जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या पुरुषों को अपने सिर पर कुछ रखना पड़ता है? क्या पुरुषों को अपने सिर में कुछ रखना पड़ता है? तो आपके पास यामाका है या वास्तव में हम, यह मैकडॉनल्ड्स में फ्रेंच फ्राइज़ के डिब्बे जैसा दिखता है। यह फ्रेंच फ्राइज़ जैसी चीज़ है जिसे आप अपने सिर पर रखते हैं। मैं गंभीर हूँ। और फिर आप इन लोगों के साथ नाचते हुए उछल रहे हैं। वैसे यह एक पुरुष नृत्य था। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि कुछ संदर्भों में, टोपी, हमारी संस्कृति में पुरुष टोपी पहनते हैं। मेरे जैसे बहुत से पुरुष जो गंजे हैं वे टोपी पहनते हैं क्योंकि आप अपने सिर को धूप में झुलसाना नहीं

चाहते। लेकिन वैसे, क्या आपने कभी ऐसा चर्च देखा है, जहाँ लोगों के पास एक निश्चित सम्मान है कि वे कुछ निश्चित समय जैसे कि जब लोग प्रार्थना करते हैं, तो टोपी नहीं पहनते हैं? क्या आपने लोगों को प्रार्थना करते समय अपनी टोपी उतारते हुए देखा है। अब वैसे जब वे अपनी टोपी उतारते हैं, तो क्या यह सम्मान का प्रदर्शन है? तो मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि क्या आप अलग-अलग संस्कृतियों में अलग-अलग तरीकों से सम्मान का प्रतीक हैं? क्या आप अलग-अलग संस्कृतियों में अलग-अलग तरीकों से सम्मान का प्रतीक हैं?

मैं कुछ घाना के पादरियों को पढ़ा रहा था। इस समूह से, कौन सा समूह था? इसे पेंटेकोस्टल चर्च यूएसए कहा जाता था। वे घाना से हैं। ये सभी लोग घाना से हैं और अंत में एक व्यक्ति मेरे साथ एक सेल्फी लेना चाहता था। और इसलिए वह एक भगवान और पादरी की तरह का व्यक्ति है और वह आता है और हम एक सेल्फी लेने जा रहे हैं। इसलिए मैं उम्मीद कर रहा था, आप जानते हैं, लोग इस तरह से जाते हैं और आप एक सेल लेते हैं, आप जानते हैं कि वह व्यक्ति, उसने वास्तव में अपने दोस्त से सेल्फी ली थी, लेकिन उस संस्कृति में, अचानक यह व्यक्ति, उसने मेरा हाथ पकड़ लिया। और वह सिर्फ मेरा हाथ इस तरह से पकड़ रहा है जैसे कि एक पुरुष चीज है। वह मेरा हाथ इस तरह से पकड़ रहा है। मैं घबरा रहा हूँ। लेकिन वैसे, तो फिर मैं सोच रहा हूँ कि हे भगवान, क्योंकि आमतौर पर यह एक ऐसा स्कूल होता है। क्या वह मुझे एक दोस्त के रूप में और उनकी संस्कृति में सम्मान दे रहा था? क्या वे अपनी संस्कृति में दोस्ती इसी तरह करते हैं? तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि प्रत्येक संस्कृति में सम्मान और आदर दिखाने के अलग-अलग तरीके हैं। तो मैं कह रहा हूँ कि कुछ संस्कृतियों में जब आप अपनी टोपी पहनते हैं, तो यह अनादर का संकेत है। मैं अपने कुछ प्रोफेसरों को जानता हूँ कि अगर आप प्रार्थना करते समय अपने सिर पर टोपी छोड़ देते हैं तो वे घबरा जाते हैं क्योंकि यह अनादर का संकेत है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि पॉल जिन चीज़ों से निपट रहा है उनमें से कुछ सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट हैं, यही वह बिंदु है जिसे मैं समझाने की कोशिश कर रहा हूँ। इनमें से कुछ चीज़ें जैसे सिर ढकना सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट हैं और अलग-अलग संस्कृतियों में वे अलग-अलग तरीकों से सम्मान या शर्मिंदगी का कारण बनेंगे। तो पॉल यहाँ सिर ढकने के बारे में बात कर रहे हैं।

वैसे, अगर आप मेनोनाइट चर्च में हैं, तो क्या मेनोनाइट महिलाएँ कई मेनोनाइट चर्चों में

अपने सिर पर हेड कवरींग पहनती हैं। हाँ। मैंने एक मेनोनाइट चर्च में प्रचार किया, मैं एक मेनोनाइट चर्च में गया और मैंने टाई क्यों नहीं पहनी? क्योंकि टाई ग्लूकोमा का कारण बनती है और मैं इसे नहीं पाना चाहता क्योंकि शरीर एक मंदिर है। नहीं, वास्तव में नहीं, क्योंकि जब आप मेनोनाइट समुदाय में टाई पहनते हैं, तो मैं एक पिता-पुत्र भोज में जा रहा था और उन्होंने कहा कि बिना टाई के स्पोर्ट कोट पहनें क्योंकि टाई उनके लिए सांसारिकता का प्रतीक है। इसलिए वे टाई नहीं पहनते। वे किंग जेम्स संस्करण का भी उपयोग करते हैं। अब किंग जेम्स संस्करण सुंदर है। यह एक अविश्वसनीय अनुवाद है। इसलिए मैं किंग जेम्स का उपयोग करके बहुत खुश था। मैं इसके साथ बड़ा हुआ। मेरा सिर आज भी इसी तरह से जुड़ा हुआ है। मैंने टाई नहीं पहनी क्योंकि यह उनके लिए अपमानजनक होगा। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जब आप विभिन्न संस्कृतियों में जाते हैं, तो क्या आपको उन विभिन्न संस्कृतियों के अनुकूल होना पड़ता है? तो कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन सिर को ढकना, यहां तक कि आज भी और कुछ मेनोनाइट समुदायों में, आपको ऐसा करना पड़ सकता है।

चर्च में महिलाओं का बोलना--ठीक है। हम मुश्किल में हैं। मैं इसे व्यवस्थित करने जा रहा हूँ। हमारे पास पर्याप्त समय नहीं है और यह शायद झगड़े में बदल जाएगा। मैं नहीं चाहता कि यह झगड़े में बदल जाए क्योंकि हम समय से बहुत आगे निकल जाएंगे। मुझे बस श्लोक पढ़ने दें और मैं आपको बस फुसलाऊंगा। यह कुछ हद तक "24" जैसा है जहाँ वे आपको अगला देखने के लिए कहते हैं। तो मंगलवार और हमारे गुरुवार को वापस आँ और हम इस पर चर्चा करेंगे। यह 1 कुरिन्थियों 14:33 कहता है, "क्योंकि परमेश्वर अव्यवस्था का परमेश्वर नहीं है।" परमेश्वर अव्यवस्था का परमेश्वर नहीं है, बल्कि संतों की सभी मण्डलियों में शांति है। महिलाओं को चर्चों में चुप रहना चाहिए।" "महिलाओं को चुप रहना चाहिए। उन्हें बोलने की अनुमति नहीं है, लेकिन उन्हें आज्ञाकारी होना चाहिए।" आज्ञाकारी, क्या आपको यह गंदा शब्द समझ में आता है? क्योंकि "आज्ञाकारी, जैसा कि कानून कहता है, अगर वे किसी चीज के बारे में पूछताछ करना चाहती हैं, तो उन्हें घर पर अपने पति से पूछना चाहिए क्योंकि एक महिला का चर्च में बोलना अपमानजनक है।" और अब अचानक आपको यह नारीवादी मिल गया है और आप सही तरीके से उठ खड़ी हुई हैं।

मैं आपको बता दूँ, दूसरी तरफ, पॉल ने कहा कि महिलाओं को चर्च में बात नहीं करनी

चाहिए, लेकिन आपको याद होगा कि जब वह इन महिलाओं के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा कि वे अपने सिर को खुला रखकर प्रार्थना करती हैं या भविष्यवाणी करती हैं। अगर वे अपने सिर को खुला रखकर प्रार्थना या भविष्यवाणी कर रही हैं। तो क्या इसका मतलब यह है कि वे भविष्यवाणी कर रही थीं? भविष्यवाणी क्या है? मैं सिर्फ़ कैन को उठा रहा हूँ।

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांड द्वारा नए नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र संख्या 25 1 कुरिन्थियों भाग एक है।